साप्ताहिक हिन्दी और उर्दू समाचार पत्र
जयपुर से प्रकाशित
उम्मीद की एक नई रोशनी
आवाज़ ए तसनीम
tasneemtv.official@gmail.com
آوازِ تسنیم
PRGI No. RJBIL/25/A1815
www.tasneemtv.com | अंक: 03/ वर्ष: 02 | जयपुर, सोमवार, 03 अगस्त , 2026 | पृष्ठ : 8 | मूल्य: 2 रूपए | प्रातः कालीन

अमेरिका और इजराइल फिर ईरान में तबाही मचाने की तैयारी में, तेहरान ने भी कसी कमर

एजेंसी। वाशिंगटन/तेल अवीव/ तेहरान

होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर जारी टकराव के भीषण रूप लेने के आसार बढ़ गए हैं। अमेरिका और इजराइल की 28 फरवरी को ईरान के खिलाफ की गई एकीकृत सैन्य कार्रवाई के बाद अब फिर दोनों देश उससे भी जोरदार बमबारी करने की तैयारी कर रहे हैं। इस बार अमेरिका और इजराइल ईरान के एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर (ऊर्जा से जुड़े बुनियादी ढांचे) को नष्ट करने का चक्रव्यूह तैयार किया है। ईरान ने चेतावनी दी है कि अगर ऐसा हुआ तो यह जंग खाड़ी से बाहर तक फैल जाएगी। उनके सैनिक दुश्मन के घर पर घुसकर हमला करने से नहीं चूकेंगे। ईरान की आक्रामता का मुकाबला करने के लिए इजराइली सेना ने अपनी रक्षात्मक तैयारी बढ़ा दी है। सीबीएस न्यूज, एक्सिओस, यनेट (वाई नेट) और अल जजीरा की विस्तृत रिपोर्ट में इस सबका जिक्र किया गया है। सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान मौजूदा हालात से चिंतित हैं। उन्होंने शनिवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से बात की और उन्हें ईरान पर नए सिरे से हमले करने के खिलाफ आगाह किया। उधर, अमेरिकी दूतावासों ने अम्मान (जॉर्डन), यरूशलेम और बगदाद सहित मध्य पूर्व की कई राजधानियों में रह रहे अमेरिकी नागरिकों को वहां से निकलने के लिए तैयार रहने को कहा है। राष्ट्रपति ट्रंप ने इससे पहले शुक्रवार को कैबिनेट की बैठक में कहा कि अमेरिका पीछे नहीं हटेगा। ईरान को झुकना होगा। उन्होंने दोहराया कि वियतनाम, अफगानिस्तान और कोरिया में भी युद्ध लंबे समय तक चला था। सूत्रों का दावा है कि ईरान के खिलाफ हमले इसी सप्ताहांत में शुरू हो सकते हैं। अमेरिका और इजराइल की सैन्य तैयारियों के बीच ईरान के सांसद और नेशनल सिक्योरिटी एंड फॉरेन पॉलिसी कमीशन के सदस्य इब्राहिम रेजाई ने चेतावनी दी है कि ईरान की सेना अमेरिका के किसी भी हमले का कड़ा जवाब देने के लिए तैयार है। इस बार जवाब फारस की खाड़ी तक सीमित नहीं रहेगा। दुश्मन के सभी ठिकानों पर हमले किए जाएंगे। खाड़ी में मौजूद तेल और गैस सुविधाओं को मटियामेट कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और ट्रंप को किसी गलतफहमी में नहीं रहना चाहिए। ट्रंप की ईरान को पाषाण युग में भेजने की धमकी जगहंसाई करा चुकी है। ईरान का बाल बांका भी नहीं बिगड़ा है। ईरानी सेना का हौसला बुलंद है। मौजूदा हालात पर ईरान ने मध्यस्थ देशों से संपर्क किया है। विदेशमंत्री अब्बास अरागची ने शनिवार को तुर्किये, पाकिस्तान और सऊदी अरब के वरिष्ठ अधिकारियों से बातचीत की। उन्होंने इस देशों से कहा कि वह अमेरिका को बता दें कि इसका अंजाम बहुत खराब होगा। होर्मुज जलडमरूमध्य में उमड़-घुमड़ रहे युद्ध के बादलों के बीच ब्रिटिश नौसेना ने कहा कि इस अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग में शनिवार को एक कमर्शियल टैंकर पर हमला किया गया। दूसरे टैंकर को निशाना बनाया गया, पर उसे ज्यादा क्षति नहीं हुई।

5 अगस्त को कॉकरोच जनता पार्टी की अहम बैठक, आगे की रणनीति पर होगा फैसला, बड़ा एलान संभव

आवाज़ ए तसनीम

नीट पेपर लीक मामले को लेकर देशभर में आंदोलन चलाने वाली कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) की कोर कमेटी की अहम बैठक 5 अगस्त को महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में होगी। बैठक में संगठन की आगे की रणनीति और भविष्य के कार्यक्रमों पर चर्चा की जाएगी। सूत्रों के अनुसार, यह बैठक सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके के आवास पर आयोजित होगी। इसमें आंदोलन से जुड़े प्रमुख सदस्य हिस्सा लेंगे और पिछले आंदोलन के अनुभवों के साथ आगे की कार्ययोजना पर विचार करेंगे।

कार्यकर्ताओं से मांगे गए सुझाव

सूत्रों ने बताया कि दिल्ली के जंतर-मंतर पर पिछले महीने चले करीब एक महीने लंबे आंदोलन के बाद संगठन ने अपने कार्यकर्ताओं और स्वयंसेवकों से कुछ समय परिवार के साथ बिताने को कहा था। साथ ही उन्हें छात्रों और स्वयंसेवकों से बातचीत कर उनके सुझाव जुटाने और 5 अगस्त की बैठक में उन्हें साझा करने के लिए कहा गया है। ये बैठक खत्म होने के बाद सीजेपी प्रेस कॉन्फ्रेंस करेगी। इसमें संगठन अपनी आगामी रणनीति और आगे होने वाले आंदोलनों या कार्यक्रमों की घोषणा कर सकता है।

फ्रेंडशिप डे पर बच्चों से मिले दीपके

इस बीच, सीजेपी संस्थापक अभिजीत दीपके ने छत्रपति संभाजीनगर में अपने आवास पर छात्रों, स्थानीय लोगों और आसपास के जिलों से आए आगंतुकों से मुलाकात की। उन्होंने बच्चों के साथ फ्रेंडशिप डे भी मनाया।

नीट आंदोलन से मिली राष्ट्रीय पहचान

गौरतलब है कि नीट पेपर लीक के विरोध में सीजेपी ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर आंदोलन किया था। संगठन का दावा है कि इस आंदोलन को देशभर के युवाओं, खासकर जेन-जी का व्यापक समर्थन मिला। इसी आंदोलन के बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने अपने पद से इस्तीफा दिया था।

उदयपुर दौराः मुख्यमंत्री शर्मा ने 421 करोड़ रुपये के कार्यों का किया लोकार्पण एवं शिलान्यास

युवाओं के लिए पारदर्शिता से आयोजित की रिकॉर्ड भर्तियां : भजनलाल शर्मा

आवाज़ ए तसनीम

उदयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने राजस्थान के विकास का रोडमैप बनाया, जिसके तहत पानी, बिजली, उद्योग, रोजगार एवं सड़क सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य किए गए हैं। रामजल सेतु लिंक परियोजना पर तेजी से काम हो रहा है। इससे आमजन, किसान और उद्योगों को पर्याप्त जलापूर्ति सुनिश्चित होगी। वहीं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन से शेखावाटी क्षेत्र के लिए यमुना जल समझौता संभव हो पाया। इसी प्रकार, उदयपुर तथा इसके आस-पास के क्षेत्रों के लिए भी देवास परियोजना के कार्यों को गति प्रदान की जा रही है।

मुख्यमंत्री रविवार को उदयपुर के नगर निगम सभागार में 421 करोड़ रुपये की लागत के 457 विकास कार्यों के लोकार्पण-शिलान्यास समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बिजली के क्षेत्र में प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के साथ 2.24 लाख करोड़ रुपये के एमओयू किए गए। वर्ष 2027 तक प्रदेश के सभी जिलों में किसानों को दिन में बिजली दी जाएगी। इसी क्रम में अब तक 26 जिलों में दिन में बिजली आपूर्ति की जा रही है। साथ ही, विभिन्न क्षमताओं के नए जीएसएस की स्थापना हो रही है। वहीं, किसान पीएम-कुसुम योजना से अन्नदाता के साथ ऊर्जादाता भी बन रहे हैं।

उन्होंने कहा कि उद्योग और निवेश को बढ़ावा देने के लिए राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का आयोजन किया गया। इसमें हुए 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू में से लगभग 9 लाख करोड़ रुपये के एमओयू धरातल पर उतर चुके हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं को सरकारी क्षेत्र में 4 लाख नौकरियां देने के वादे को पूरा करने के क्रम में अब तक 1 लाख 78 हजार से अधिक पदों पर नियुक्तियां प्रदान की गई हैं। 1 लाख 32 हजार से अधिक पदों पर भर्तियां प्रक्रियाधीन हैं। वहीं, 70 हजार से अधिक पदों पर भर्ती की तैयारी की जा रही है। अब तक कुल 3 लाख 80 हजार पदों पर भर्तियों का मार्ग प्रशस्त हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पारदर्शिता के साथ सभी भर्ती परीक्षाएं आयोजित की गई हैं। निजी क्षेत्र में भी युवाओं के लिए साढ़े चार लाख रोजगार के अवसर सृजित हुए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उदयपुर झीलों की नगरी है। साथ ही, शक्ति और भक्ति की भी भूमि है। राजसमंद, उदयपुर और चित्तौड़गढ़ पर्यटन की दृष्टि से समृद्ध जिले हैं। इन क्षेत्रों के विकास के लिए राज्य सरकार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि उदयपुर जिले के आमजन के लिए 47 करोड़ रुपये से अधिक की 21 प्रमुख परियोजनाओं का लोकार्पण किया गया है। इनमें 7 करोड़ रुपये से आर.एन.टी. मेडिकल कॉलेज में आधुनिक कैथ लैब, पौने पांच करोड़ रुपये से उदयपुर शहर में 75 बेड का बुजुर्गों के लिए पुनर्वास गृह, 4 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से फलासियां में राजकीय कन्या महाविद्यालय भवन, 2 करोड़ 80 लाख रुपये से कानोड़ में राजकीय सावित्री बाई फूले अनुसूचित जाति कन्या छात्रावास, 2 करोड़ 31 लाख रुपये से अधिक की लागत से सविना में आर.सी.सी. नाले का निर्माण, करीब डेढ़ करोड़ से वल्लभनगर के दरौली में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जैसे कार्य जनता को समर्पित किए हैं।

उन्होंने कहा कि 1 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से तितरड़ी के नए बस स्टैंड हेतु सड़क निर्माण, 2 करोड़ 31 लाख रुपये से भुवाणा, वल्लभनगर एवं मावली में ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट के भवन, करीब डेढ़ करोड़ रुपये से महाराणा प्रताप खेलगांव में लेक्रोस खेल मैदान, बोहरा गणेश आयड़ में ओपन पार्किंग और अमरख महादेव मंदिर मार्ग का लोकार्पण भी किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उदयपुर के बुनियादी ढांचे और विकास के लिए 373 करोड़ रुपये से अधिक की 436 परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया है। इसमें 121 करोड़ रुपये की लागत से महाराणा भूपाल चिकित्सालय में मातृ एवं शिशु विंग, 75 करोड़ रुपये से अधिक की राशि से भुवाणा क्षेत्र में आधुनिक सीवरेज सिस्टम, करीब 51 करोड़ रुपये से जिला चिकित्सालय भींडर का भवन निर्माण, 5 करोड़ 75 लाख रुपये से फतहनगर में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भवन का शिलान्यास शामिल हैं। उन्होंने कहा कि साढ़े चार करोड़ रुपये से गोगुंदा में राजकीय जनजाति बालक आश्रम छात्रावास भवन, साढ़े चार करोड़ रुपये से पुलिस लाईन उदयपुर में अधिकारियों के लिए 12 आवासीय भवन, 3 करोड़ 80 लाख रुपये से झाडोल के ढीमड़ी क्षेत्र में राजकीय जनजाति बालक आश्रम छात्रावास, करीब 3 करोड़ 67 लाख रुपये की लागत से सुखेर में सर्विस रोड, 6 करोड़ रुपये से अधिक की राशि से बनास नदी पर गोगुंदा के पानेर और केलथरा मार्ग पर सबमर्शिबल पुलिया का शिलान्यास भी किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि साढ़े पांच करोड़ रुपये से खेलगांव उदयपुर में जनजाति बालिका आश्रम छात्रावास और डबोक में बालक आश्रम छात्रावास, 2 करोड़ 70 लाख रुपये की लागत से गोगुंदा के बोमरचा में बनास नदी पर सबमर्शिबल पुलिया निर्माण, खेरोदा, झाड़ोल व सायरा में 2-2 करोड़ के अटल प्रगति पथ के निर्माण की नींव रखी गई है। साथ ही, जिले में विभिन्न स्कूलों में शेड, डोम एवं सोलर पनघट और बिजली, पानी, सड़क, शिक्षा, चिकित्सा, सिंचाई, शहरी एवं पर्यटन सुविधाओं के विकास से जुड़े विभिन्न कार्यों की आधारशिला रखी है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने 34 हजार 128 करोड़ रुपये से 49 हजार 197 किलोमीटर सड़क नेटवर्क विकसित किया है। प्रदेश में 2 हजार 750 किलोमीटर लंबे 9 ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे की दिशा में कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। 18 हजार 67 किलोमीटर नई सड़कें बनाई गईं तथा 1 हजार 758 गांवों को पहली बार डामर सड़क से जोड़ा गया है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में करीब 10 हजार किलोमीटर मिसिंग लिंक सड़कें बनाई गई हैं। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत 3 हजार 286 किमी सड़कों का विकास किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी डबल इंजन सरकार कृषि, सहकारिता, डेयरी क्षेत्र से जुड़े लोगों के कल्याण के लिए मजबूत फैसले ले रही है। मुख्यमंत्री विकसित ग्राम-शहरी वार्ड अभियान का आयोजन कर गांवों और शहरी वार्डों के विकास के लिए रोडमैप बनाया जा रहा है। कृषि उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए प्रोसेसिंग यूनिट की स्थापना को प्रोत्साहन दे रहे हैं। इससे स्थानीय स्तर पर युवाओं को रोजगार मिलेगा। उन्होंने कहा कि सरस डेयरी के दूध संकलन की क्षमता में भी वृद्धि की जा रही है। सहकारिता से समृद्धि के लिए गांवों में नए सदस्यों को पैक्स से जोड़ा गया है। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में गरीब, युवा, महिला और अन्नदाता के सशक्तीकरण के लिए योजनाएं चलाई जा रही हैं।

जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार अंतिम पंक्ति के व्यक्ति को मुख्य धारा में लाने का कार्य कर रही है। धरातल पर तेजी से काम होने से गांव-गांव में विकास हो रहा है।

राजस्व मंत्री हेमन्त मीणा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान में विकास कार्य हो रहे हैं। विभिन्न जल परियोजनाओं के माध्यम से पेयजल से लेकर सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है।

इस अवसर पर सांसद मन्नालाल रावत, चुन्नीलाल गरासिया, विधायक फूलसिंह मीणा, प्रताप लाल भील, उदय लाल डांगी, ताराचन्द जैन, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, पूर्व मंत्री राजेन्द्र राठौड़ सहित स्थानीय जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

पीएम मोदी ने नशे के खिलाफ अभियान की शुरुआत की

भारत में ड्रग्स सप्लाई आतंकी साजिश का हिस्सा, दुश्मन देश युवाओं को नशे में धकेलना चाहते हैं : पीएम मोदी

आवाज़ ए तसनीम

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने रविवार को 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान' लॉन्च किया। उन्होंने कहा कि भारत में ड्रग्स की सप्लाई दुश्मन देशों की आतंकी साजिश का हिस्सा है।

पीएम ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अपने संबोधन में कहा- दुश्मन देश भारतीय युवाओं को नशे के जाल में धकेलना चाहते हैं। इस साजिश को मिलकर नाकाम करना होगा। विकसित भारत का लक्ष्य तभी पूरा होगा, जब देश का युवा शारीरिक और मानसिक रूप से फिट होने के साथ नशे से भी दूर रहेगा।

उन्होंने बताया कि अगले 100 सप्ताह तक हर रविवार कला, संस्कृति, खेल और अन्य गतिविधियों के जरिए नशा मुक्ति का संदेश देशभर में पहुंचाया जाएगा। पीएम ने युवाओं से इस अभियान का नेतृत्व करने और 2047 तक विकसित भारत बनाने में अपनी भूमिका निभाने का आह्वान किया।

पीएम की 5 बड़ी बातें

1. नशा सपनों और परिवार दोनों को तोड़ देता है

पीएम मोदी ने कहा कि नशा युवाओं का फोकस भटकाकर उन्हें धीरे-धीरे उनके सपनों से दूर ले जाता है। आज भारत के युवा स्टार्टअप, एआई और स्पेस जैसे क्षेत्रों में दुनिया का नेतृत्व कर रहे हैं, लेकिन अगर कोई युवा ड्रग्स की गिरफ्त में आ जाए तो सिर्फ उसका सपना ही नहीं, पूरा परिवार हार जाता है। नशा एक पिता के सपनों और बहन की उम्मीदों को भी तोड़ देता है।

2. दुश्मन देश ड्रग्स के जरिए युवाओं को निशाना बना रहे

नशा केवल व्यक्ति को नहीं, बल्कि राष्ट्र की ताकत को भी कमजोर करता है। दुश्मन देश भारतीय युवाओं को ड्रग्स के जाल में फंसाने की साजिश रचते हैं। सरकार नशे के कारोबारियों और तस्करों के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई कर रही है।

3. ड्रग्स थोड़ी देर का हाई, लेकिन जिंदगीभर का नुकसान

ड्रग्स कुछ समय के लिए हाई देता है, लेकिन करियर और फैमिली लाइफ को बर्बाद कर देता है। हमारे संतों और गुरुओं ने भी नशे से दूर रहने की सीख दी है। श्रीगुरु ग्रंथ साहिब का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि जो नशा इंसान की बुद्धि और विवेक छीन ले, वह उसे पतन की ओर ले जाता है।

4. नशे से बाहर निकले युवाओं को दूसरा मौका मिलना चाहिए

नशे की लत से लड़कर बाहर निकलने वाले असली योद्धा हैं। किसी व्यक्ति का अतीत उसकी पहचान नहीं होता, बल्कि मुश्किलों से बाहर निकलने का उसका साहस उसकी असली पहचान होता है।

5. ड्रग्स माफिया पर कार्रवाई कई गुना बढ़ी

देश में नशे के कारोबारियों और तस्करों के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। बड़ी मात्रा में ड्रग्स जब्त की जा रही है और कार्रवाई पहले के मुकाबले कई गुना बढ़ी है। उन्होंने कहा कि यह सरकार की नशे के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति का प्रमाण है।

नशा मुक्त युवा कार्यक्रम में 1 करोड़ से ज्यादा युवा शामिल हुए

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान' सुबह 11 बजे से शुरू हुआ। प्रधानमंत्री के संबोधन से पहले देशभर के युवाओं ने एक साथ 'नशा मुक्त भारत' की शपथ ली।

यह कार्यक्रम वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए देशभर के 28 हजार से ज्यादा स्थानों पर एक साथ आयोजित किया गया। अभियान में 1 करोड़ से ज्यादा युवा शामिल हुए।

कार्यक्रम में 5 प्रमुख आध्यात्मिक गुरु-अम्मा, रविशंकर, दाजी, डॉ. चिन्मय पंड्या और स्वामी ब्रह्मविहारीजी भी वर्चुअली जुड़े। इसके अलावा कई मुख्यमंत्री और राज्यपाल भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

100 हफ्तों तक हर रविवार कार्यक्रम होगा

इस कार्यक्रम का मकसद युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करना और उन्हें अपने समाज में बदलाव लाने के लिए आगे बढ़ाना है। यह अभियान अगले 100 हफ्तों तक चलेगा।

इसके तहत हर रविवार देशभर में अलग-अलग कार्यक्रम होंगे, जिनके जरिए लोगों को नशे के नुकसान बताए जाएंगे और नशा मुक्त भारत का संदेश दिया जाएगा।

नशे के खिलाफ जन आंदोलन बनाने की कोशिश

यह अभियान 125 से ज्यादा आध्यात्मिक संगठनों के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। इसके अलावा स्कूल, कॉलेज, यूनिवर्सिटी, सामाजिक संस्थाएं और उद्योग संगठन भी इस अभियान से जुड़े हैं। सरकार चाहती है कि इस अभियान में स्कूल, कॉलेज, युवा संगठन, सामाजिक संस्थाएं, उद्योग संगठन और आध्यात्मिक संस्थाएं मिलकर काम करें। उद्देश्य है कि ज्यादा से ज्यादा लोग इस मुहिम से जुड़ें और नशे के खिलाफ इसे जन आंदोलन बनाया जाए।

राजस्थान-24 जिलों में बारिश, अजमेर में सड़कों पर पानी भराः बिहार-झारखंड में बिजली गिरने से 10 की मौत

गुजरात के मोरबी में बाढ़ जैसे स्थिति

आवाज़ ए तसनीम

नई दिल्ली। देश के कई राज्यों में लगातार हो रही बारिश से जनजीवन प्रभावित है। राजस्थान के 24 जिलों में बारिश हो रही है। इसकी वजह से अजमेर की सड़कों पर पानी भर गया। वहीं, बिहार के बांका में अलग-अलग जगहों पर बिजली गिरने से 6 लोगों की मौत हो गई। मौसम विभाग ने सभी जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। झारखंड में भी बिजली गिरने से 4 लोगों की मौत हो गई।

केरलम में भारी बारिश के कारण लैंडस्लाइड और बाढ़ से 8 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 8 लोग लापता हैं। सरकार ने 209 राहत शिविर बनाए हैं, जहां 5,792 लोगों को सुरक्षित पहुंचाया गया है।

कर्नाटक के शिवमोग्गा जिले में रविवार सुबह लैंडस्लाइड में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों में मल्लिकार्जुन (35), उनकी पत्नी नागवेणी (28) और 3 साल का बेटा संतोष शामिल हैं। हादसे के समय तीनों पहाड़ी के पास बने घर में सो रहे थे।

तमिलनाडुः 2000 लोगों ने बारिश के लिए प्रार्थना की

तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली में सूखे मौसम की वजह से तिरुचिरापल्ली के थेन्नूर में मुस्लिम समाज के 2,000 लोगों ने बारिश की विशेष प्रार्थना (सलात अल-इस्तिस्का) की। कई जिलों में तापमान 37.5°C से ऊपर बना हुआ है और राज्य भीषण जल संकट का सामना कर रहा है।

केरल के अलप्पुझा में बाढ़ का खतरा बढ़ा

केरल के अलप्पुझा जिले के कुट्टनाड और अपर कुट्टनाड क्षेत्रों में भारी बारिश के कारण बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। पंबा और अचनकोविल नदियों का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है, जिससे कई निचले इलाकों में पानी भर गया है। वीयापुरम और चेरुथाना गांवों में बाढ़ से 100 से अधिक घर प्रभावित हुए हैं। अलप्पुझा में 11 राहत शिविर चल रहे हैं, जहां 169 परिवारों के 580 लोगों को ठहराया गया है।

हाईवे पर पौधों को पानी दे रहे टैंकर से टकराई कार, एक ही परिवार के 4 लोगों सहित 5 की मौत

तमिलनाडु। हाइवे पर पौधों को पानी दे रहे एक टैंकर से बेकाबू कार के टकराने के कारण भीषण हादसा हो गया। इस दुर्घटना में तीन महिलाओं सहित पांच लोगों की मौत हो गई। सड़क हादसे में एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत की घटना से इलाके में गहरा शोक फैल गया।

कोयंबटूर जिले के मदुक्करई निवासी कनागराज अपनी पत्नी पूर्णिमा और बेटियों अमृथा व आरती के साथ कार से उदुमलईपेट्टई गए थे, कार में ड्राइवर भी था। वहां से लौटते समय, जब वे पोलाची राष्ट्रीय राजमार्ग पर नल्लमपल्ली के पास पहुंचे, तो उनकी कार अचानक बेकाबू हो गई। कार सीधे डिवाइडर के बीच लगे पौधों पर पानी छिड़क रहे वाटर टैंकर से जा टकराई।

हादसे में कनागराज, उनकी पत्नी पूर्णिमा और बेटियों अमृथा व आरती और की मौत हो गई। दुर्घटना में कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही कोमन्गलम पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। उन्होंने कार में सवार पांचों लोगों के शवों को बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए एम्बुलेंस से पोलाची सरकारी अस्पताल भेज दिया।

पुलिस ने मामला दर्ज कर हादसे की जांच शुरू कर दी है। उन्होंने दुर्घटनाग्रस्त कार को रास्ते से हटाकर ट्रैफिक जाम खुलवाया।

विरोध करो, लेकिन गाली मत दो, जंतर-मंतर पर PM मोदी के खिलाफ अपशब्दों से खफा मौलाना

आवाज़ ए तसनीम

ऑल इंडिया इमाम ऑर्गनाइजेशन के प्रमुख इमाम उमर अहमद इलियासी ने रविवार को हालिया विरोध प्रदर्शनों के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ अपशब्दों के इस्तेमाल की निंदा की. उन्होंने कहा कि हालांकि लोगों को असहमति जताने की आज़ादी है, लेकिन विरोध प्रदर्शन शालीनता के दायरे में होने चाहिए और उनमें सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान नहीं पहुंचाया जाना चाहिए या अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए.AIIO प्रमुख जंतर-मंतर पर पेपर लीक और परीक्षा से जुड़ी अन्य अनियमितताओं के खिलाफ छात्रों के हालिया विरोध प्रदर्शन के दौरान मोदी के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक शब्दों के इस्तेमाल का ज़िक्र कर रहे थे. एक वीडियो संदेश में धर्मगुरु ने कहा, ÷मेरी भी एक ज़िम्मेदारी है और एक इमाम के तौर पर मैं अपना कर्तव्य निभाना चाहता हूं. पिछले एक महीने में पूरे देश और दुनिया ने 20 जुलाई से शुरू हुए विरोध प्रदर्शनों को देखा है. हर किसी को विरोध करने का अधिकार है और इसमें कुछ भी गलत नहीं है. लेकिन यह शालीनता के दायरे में किया जाना चाहिए.प्रदर्शनों के दौरान हिंसा की घटनाओं का जिक्र करते हुए, इलियासी ने कहा, विरोध प्रदर्शनों के दौरान सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाया गया. सरकारी बसों और गाड़ियों में आग लगा दी गई, सड़कें जाम कर दी गई और आगज़नी की गई. सरकारी संपत्ति हम सभी की है, इसलिए ऐसी हरकतें आखिरकार जनता को ही नुकसान पहुंचाती हैं. इस बात पर जोर देते हुए कि असहमति लोकतंत्र का एक स्वाभाविक हिस्सा है, उन्होंने कहा कि असहमति जताने और अपशब्दों का इस्तेमाल करने के बीच स्पष्ट अंतर है. इलियासी ने आगे कहा कि परिवार में भी बहस होती है. लेकिन, कुछ बातों से सहमत न होने का मतलब यह नहीं है कि कोई अपने माता-पिता को अपशब्द कहने लगे. पूरी दुनिया ने देखा कि सोशल मीडिया के दौर में यह बात दुनिया के हर कोने तक पहुंच जाती है. जिस तरह से कुछ बच्चों ने देश के प्रधानमंत्री को उनके पद और उनकी मरहूम मां के लिए अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया, वह दुखद था. क्या हमारी संस्कृति और संस्कार हमें यही सिखाते हैं।

इलियासी इस बात से हैं दुखी

इलियासी ने मुताबिक, विरोध प्रदर्शनों के दौरान की गई अपमानजनक टिप्पणियों से न केवल प्रधानमंत्री बल्कि पूरे देश की छवि खराब हुई. उन्होंने कहा, ÷पूरी दुनिया ने देखा कि किस तरह के शब्दों का इस्तेमाल किया गया. हालांकि, इससे प्रधानमंत्री पर नहीं बल्कि भारत पर असर पड़ा. यह देश का अपमान था. धर्मगुरु ने आगे कहा कि देश के अलग-अलग हिस्सों की अपनी यात्राओं के दौरान उन्होंने भारत में आए बदलाव और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश को मिले सम्मान को देखा है. मैं यह नहीं कह रहा कि यह सम्मान सिर्फ़ नरेंद्र मोदी के लिए है. यह भारत के लिए सम्मान की बात है.

जिसे हारने वाला माना गया; उसी ओवैस याकूब ने 4 मिनट में बनाया तारीख, बुल्गारियाई चैंपियन को चटाई धूल

आवाज़ ए तसनीम

जिस फाइटर की हार पर ज्यादातर लोगों ने मुहर लगा दी थी, उसी ने चार मिनट के भीतर पूरा मुकाबला पलट दिया. जम्मू-कश्मीर के पुलवामा के रहने वाले ओवैस याकूब ने बुल्गारिया के नाकाबिले-शिकस्त फाइटर डेलियन जॉर्जीओव को पहले ही दौर में शिकस्त देकर अपने पेशेवर करियर की सबसे बड़ी फतह हासिल की. इस जीत के साथ उन्होंने न सिर्फ अपने हरीफ को पहली हार का मजा चखाया, बल्कि लगातार छठी कामयाबी दर्ज कर भारत का परचम भी बुलंद कर दिया.

जम्मू-कश्मीर के पुलवामा से ताल्लुक रखने वाले 28 साल के ओवैस याकूब ने ब्रेव कॉम्बैट फेडरेशन के 68 किलोग्राम कैच वेट मुकाबले में बुल्गारिया के डेलियन जॉर्जीओव को टेक्निकल नॉकआउट से हरा दिया. मुकाबले का फैसला पहले ही दौर में हो गया और ओवैस को अपने हरीफ को मात देने में महज चार मिनट लगे. इस शानदार कामयाबी के साथ उन्होंने डेलियन के पेशेवर करियर की पहली हार भी लिख दी.

इस जीत के बाद ओवैस ने लगातार छठी फतह अपने नाम कर ली. मुकाबले में उतरने से पहले उनका रिकॉर्ड 1-5 था, जो अब बढ़कर 1-6 हो गया है. वहीं डेलियन जॉर्जीओव का रिकॉर्ड गिरकर 1-3 पर पहुंच गया. यह नतीजा इसलिए भी हैरतअंगेज रहा, क्योंकि ज्यादातर लोगों का मानना था कि बुल्गारियाई फाइटर ही मुकाबला जीतेंगे.

टैपोलॉजी के मुताबिक, 73 फीसदी लोगों ने डेलियन की जीत की पेशगोई की थी, लेकिन ओवैस ने शुरुआत से ही मुकाबले पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली. उन्होंने अपने हरीफ पर लगातार दबाव बनाए रखा और उन्हें संभलने का कोई मौका नहीं दिया. पहले ही दौर में उनकी जबरदस्त मार और लगातार हमलों के सामने बुल्गारियाई फाइटर बेबस नजर आए और आखिरकार रेफरी को मुकाबला रोकना पड़ा.

जैसे ही रेफरी ने मुकाबला खत्म करने का इशारा किया, ओवैस खुशी से जालीनुमा घेरे के ऊपर चढ़ गए और अपने जज्बात का इजहार किया. दिलचस्प बात यह रही कि मुकाबले से पहले ही ओवैस ने पूरे एतमाद के साथ कहा था कि वह पहले ही दौर में मुकाबला खत्म कर देंगे. उन्होंने अपने इस दावे को सच साबित करते हुए बेहतरीन स्ट्राइकिंग और लगातार दबाव की बदौलत हरीफ को कोई मौका नहीं दिया.

ओवैस की मैदान में आमद भी बेहद खास रही. वह पारंपरिक कश्मीरी कराकुली टोपी पहने, काली पश्मीना शॉल ओढ़े और हाथ में भारत का तिरंगा लेकर मैदान में दाखिल हुए. नीले कोने से मुकाबला लड़ने वाले ओवैस ने जीत के बाद जाली पर चढ़कर अपने चाहने वालों और अपनी पूरी टीम का शुक्रिया अदा किया.

कामयाबी के बाद ओवैस जज्बाती नजर आए. उन्होंने उन मुश्किल हालात का जिक्र किया, जिनसे गुजरकर वह इस मुकाम तक पहुंचे. उन्होंने कहा, अल्हम्दुलिल्लाह. बुल्गारिया के लोगों का शुक्रिया कि आपने मेरा साथ नहीं दिया, लेकिन एक दिन आप मुझसे मोहब्बत करेंगे. हम पेशेवर फाइटर हैं. मैं भारत के लिए बेल्ट लाना चाहता हूं. आपको अंदाजा नहीं है कि मुझ पर कितना दबाव था. हमने 40 घंटे का लंबा सफर तय किया, दो दिन तक बिल्कुल नहीं सोए और अपना वजन बरकरार रखने के लिए भी बहुत मेहनत की।

नौकरी छोड़ बने गीतकार, फिर लिख डाले अमर भजन; ऐसे बॉलीवुड के शब्दों के जादूगर बने शकील बदायूंनी

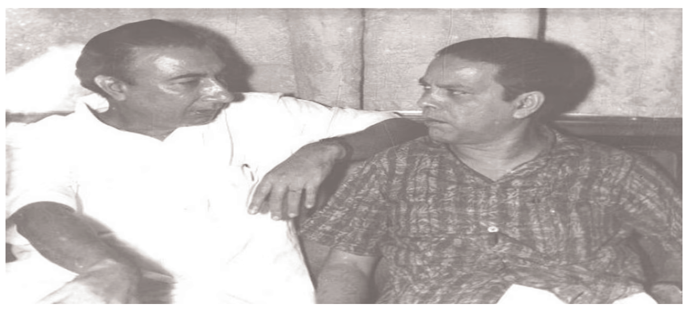

आवाज़ ए तसनीम

हिंदी सिनेमा के मशहूर गीतकार और शायर शकील बदायूंनी ने फिल्म इंडस्ट्री में आने के लिए अपनी सरकारी नौकरी छोड़ दी थी. रोमांटिक गानों और गजलों के साथ-साथ उन्होंने कई यादगार भजन भी लिखे. उनके लिखे गाने आज भी हिंदी सिनेमा की विरासत का एक अनमोल हिस्सा माने जाते हैं.मशहूर गीतकार और शायर शकील बदायूंनी का जन्म 3 अगस्त 1916 को उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले में हुआ था. इस साल उनकी 110वीं जयंती है. उन्होंने हिंदी सिनेमा को ऐसे कई गाने दिए जो आज भी लोगों के दिलों में बसे हुए हैं. 20 अगस्त 1970 को मुंबई में उनका निधन हो गया. हिंदी फिल्मों के लिए कई यादगार गाने लिखने वाले शकील बदायूंनी का असली नाम शकील अहमद था. हालांकि, बदायूं जिले से होने के कारण उन्होंने बदायूंनी उपनाम अपनाया. अपनी शुरुआती पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी में पढ़ाई की. वहां पढ़ाई पूरी करने के बाद, उन्होंने दिल्ली में सरकारी नौकरी की. दिल्ली में रहने के दौरान ही उन्होंने मुशायरों में हिस्सा लेना शुरू किया. 1940 में उन्होंने सलमा से शादी की और 1944 में दिल्ली से मुंबई चले गए. सपनों के शहर मुंबई पहुंचने के बाद शकील ने फिल्मों के लिए कई यादगार गाने लिखे. उन्होंने न सिर्फ फिल्मी गाने बल्कि कई भजन भी लिखे.

फिल्म %बैजू बावरा% के लिए उनके लिखे भजन ÷मन तड़पत हरि दर्शन को आज÷ को आज भी दर्शक बहुत पसंद करते हैं. शकील बदायूंनी और संगीतकार नौशाद की जोड़ी ने हिंदी सिनेमा को कई बेहतरीन गाने दिए.उन्हें सर्वश्रेष्ठ गीतकार का फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला और उन्होंने 89 फिल्मों के लिए गाने लिखे. शकील का निधन सिर्फ़ 53 साल की उम्र में हो गया.

उनके बेहतरीन कामों में चौदहवीं का चांद, प्यार किया तो डरना क्या,ना जाओ सैयां छुड़ा के बैयां कसम तुम्हारी, हुस्नवाले तेरा जवाब नहीं, और सुहानी रात ढल चुकी जैसे गाने शामिल हैं. उनके गानों ने उन्हें बहुत लोकप्रियता दिलाई.

फ़िल्म दर्द के लिए शकील के लिखे गाने, जो नौशाद के साथ उनका पहला काम था. बहुत बड़े हिट साबित हुए. इसके बाद नौशाद ने बदायूंनी से कई फिल्मों के लिए गाने लिखवाए, जिनमें दर्द, दीदार, बैजू बावरा, मदर इंडिया, मुगल-ए-आजम, गंगा जमना और मेरे महबू शामिल हैं।

राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग में मुस्लिम समुदाय की सबसे ज्यादा शिकायतें, पांच साल में 6,145 मामले दर्ज

आवाज़ ए तसनीम

नई दिल्ली। राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग (NCM) में पिछले पांच वर्षों के दौरान सबसे अधिक शिकायतें मुस्लिम समुदाय की ओर से दर्ज कराई गई हैं। अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा राज्यसभा के मानसून सत्र में साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2021-22 से 2025-26 के बीच आयोग को कुल 9,557 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें 6,145 शिकायतें मुस्लिम समुदाय से संबंधित थीं।

आंकड़ों के अनुसार, मुस्लिम समुदाय के बाद सिख समुदाय की 1,222 और ईसाई समुदाय की 644 शिकायतें आयोग के पास पहुंचीं। इन शिकायतों में सबसे अधिक मामले कानून-व्यवस्था, भूमि विवाद, शैक्षणिक अधिकार, धार्मिक स्वतंत्रता और अन्य प्रशासनिक मामलों से जुड़े रहे।

कानून-व्यवस्था और भूमि विवाद के सबसे ज्यादा मामले

रिपोर्ट के अनुसार, आयोग को प्राप्त कुल शिकायतों में 2,059 मामले कानून-व्यवस्था से जुड़े थे, जबकि 1,031 शिकायतें भूमि विवाद से संबंधित थीं। इसके अलावा शिक्षा, धार्मिक अधिकार, आर्थिक समस्याओं और अन्य नागरिक मुद्दों को लेकर भी बड़ी संख्या में शिकायतें दर्ज कराई गईं।

वहीं, सांप्रदायिक हिंसा से जुड़े 31 और हेट क्राइम एवं नफरत फैलाने वाले बयानों से संबंधित 97 मामले आयोग तक पहुंचे।

उत्तर प्रदेश से सबसे अधिक शिकायतें

राज्यवार आंकड़ों में उत्तर प्रदेश सबसे आगे रहा, जहां से 3,484 शिकायतें दर्ज हुईं। इसके बाद दिल्ली (1,140), महाराष्ट्र (690), पंजाब (512), तेलंगाना (392), मध्य प्रदेश (381), हरियाणा (324) और बिहार (301) का स्थान रहा।

हर वर्ष आयोग तक पहुंचीं हजारों शिकायतें

सरकार के अनुसार, वर्ष 2021-22 में 2,076, 2022-23 में 2,423, 2023-24 में 1,999, 2024-25 में 1,390 और 2025-26 में 1,699 शिकायतें आयोग को प्राप्त हुईं। मंत्रालय ने बताया कि आयोग ने सभी मामलों का यथाशीघ्र निस्तारण करने का प्रयास किया।

क्या है राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग?

राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग (NCM) का गठन राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग अधिनियम, 1992 के तहत किया गया था। आयोग का उद्देश्य संविधान और विभिन्न कानूनों के तहत अधिसूचित अल्पसंख्यक समुदायों के अधिकारों की रक्षा करना और उनकी शिकायतों के समाधान के लिए उचित कार्रवाई सुनिश्चित करना है।

सूखे से बेहाल तमिलनाडु, बारिश की आस में हजारों हाथ दुआ के लिए उठे

आवाज़ ए तसनीम

तमिलनाडु में लंबे वक्त से सूखे मौसम और पानी की बढ़ती कमी के बीच, बारिश की उम्मीद में शनिवार (1 अगस्त) को तिरुचिरापल्ली के थेन्नूर में उझावर संधाई मैदान में 2,000 से ज़्यादा मुसलमान इकट्ठा हुए और खास प्रार्थना की. कई ज़िलों में तापमान से ऊपर बना हुआ है और मॉनसून से भी पर्याप्त बारिश नहीं हुई है, जिससे राज्य में पानी की भारी कमी हो गई है. कावेरी नदी का पानी तमिलनाडु को न छोड़े जाने से स्थिति और खराब हो गई है, जिससे भूजल स्तर गिर गया है और जलाशय सूख गए हैं.कावेरी नदी, जो डेल्टा क्षेत्र को सहारा देती है और पीने व सिंचाई की ज़रूरतें पूरी करती है, उसमें भी पानी का बहाव कम हो गया है. साथ ही तिरुचिरापल्ली में झीलें और तालाब सूख गए हैं, जिससे किसान, आम लोग और पशु प्रभावित हुए हैं. इन हालात को देखते हुए, तिरुचिरापल्ली ज़िला जमात-उल-उलामा सभा ने थेन्नूर उझावर संधाई मैदान में सलात-अल-इस्तिस्का(बारिश के लिए प्रार्थना) का आयोजन किया. इस प्रार्थना का नेतृत्व तिरुचिरापल्ली ज़िला जमात-उल-उलामा सभा के अध्यक्ष मुहम्मद नूरुल हक रशादी और सचिव आमुल हसन हज़रत ने किया। इस सभा में 2,000 से ज़्यादा इस्लामिक विद्वान, मजहबी रहनुमा और मुस्लिम बिरादरी के सदस्य शामिल हुए.प्रार्थना के दौरान पैगंबर मुहम्मद (स.) की परंपरा का पालन करते हुए, लोगों ने आँखों में आँसू लिए और हाथ उठाकर भरपूर बारिश, खुशहाली और सूखे जैसे हालात से राहत के लिए दुआ की. उन्होंने उम्मीद और भरोसा जताया कि उनकी प्रार्थनाएँ सुनी जाएँगी और राज्य में जल्द ही बहुत ज़रूरी बारिश होगी. इससे पहले गुरुवार को तमिलनाडु सरकार ने वजीर-ए-आला सी. जोसेफ विजय के निर्देश पर एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया. यह समिति संभावित तेज़ अल नीनो घटना के असर पर नज़र रखेगी और सरकार को सलाह देगी, प्रभावित हो सकने वाले इलाकों की पहचान करेगी और इसके संभावित असर से निपटने के लिए एहतियाती उपाय सुझाएगी.राजस्व और आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा 28 जुलाई को जारी सरकारी आदेश के मुताबिक यह समिति तमिलनाडु आपदा जोखिम न्यूनीकरण एजेंसी के तहत बनाई गई है. समिति अल-नीनो के संभावित असर पर नज़र रखेगी और उसका आकलन करेगी. साथ ही वह सरकार को सूखे, बाढ़ और बहुत ज़्यादा बारिश से होने वाले जोखिमों को कम करने के उपायों के बारे में सलाह देगी. सरकारी आदेश में कहा गया है कि दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के दौरान सामान्य से कम बारिश का असर कावेरी नदी में पानी के बहाव पर पड़ सकता है, जबकि उत्तर-पूर्व मॉनसून के दौरान भारी बारिश और बाढ़ की स्थिति बन सकती है।

79वें स्वतंत्रता दिवस से पहले मुस्लिम स्वतंत्रता सेनानियों की विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की अनूठी पहल

आवाज़ ए तसनीम

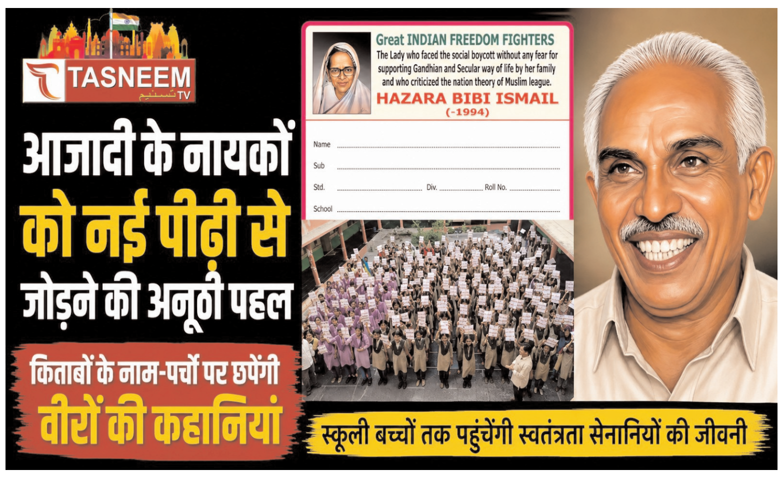

गुंटूर। 79वें स्वतंत्रता दिवस से पहले देश की आजादी के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले मुस्लिम स्वतंत्रता सेनानियों की कुर्बानियों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के उद्देश्य से एक विशेष अभियान शुरू किया गया है। इस पहल का उद्देश्य बच्चों को उन वीर स्वतंत्रता सेनानियों से परिचित कराना है, जिनका योगदान भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण रहा, लेकिन जिनके बारे में आज की पीढ़ी अपेक्षाकृत कम जानती है।

आंध्र प्रदेश के गुंटूर निवासी इतिहासकार सैयद नसीर अहमद ने इस अभियान के तहत स्कूली बच्चों की किताबों पर लगाए जाने वाले बुक लेबल (नाम-पर्चे) को माध्यम बनाया है। इन लेबलों पर स्वतंत्रता सेनानियों की तस्वीर, नाम, जन्म एवं निधन वर्ष और उनके योगदान का संक्षिप्त परिचय प्रकाशित किया गया है। साथ ही बच्चों के नाम, कक्षा और विद्यालय का विवरण लिखने की भी जगह दी गई है।

आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के स्कूलों में पहुंचेंगे एक लाख बुक लेबल

सैयद नसीर अहमद ने बताया कि इस वर्ष दानदाताओं और सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से एक लाख बुक लेबल तैयार किए गए हैं। इन्हें आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के सैकड़ों विद्यालयों में पढ़ने वाले हजारों विद्यार्थियों तक पहुंचाया जाएगा। प्रत्येक छात्र को छह अलग-अलग स्वतंत्रता सेनानियों के नाम वाले लेबल दिए जाएंगे, ताकि उनकी विभिन्न पुस्तकों पर अलग-अलग वीरों की जानकारी उपलब्ध रहे।

बच्चों को इतिहास से जोड़ने का प्रयास

इतिहासकार का कहना है कि आमतौर पर बच्चे अपनी किताबों पर फिल्मी कलाकारों, क्रिकेट खिलाड़ियों, कार्टून पात्रों या प्राकृतिक दृश्यों वाले लेबल लगाते हैं। यदि उनकी जगह स्वतंत्रता सेनानियों के चित्र और परिचय हों, तो बच्चे ही नहीं, बल्कि शिक्षक और अभिभावक भी उनके जीवन और योगदान को जानने के लिए प्रेरित होंगे।

उन्होंने कहा कि चूंकि किताबों के कवर कई महीनों तक वैसे ही रहते हैं, इसलिए रोजाना इन तस्वीरों और जानकारियों को देखने से बच्चों के मन में देश के स्वतंत्रता सेनानियों के प्रति सम्मान और इतिहास के प्रति रुचि विकसित होगी।

2018 में शुरू हुई थी मुहिम

सैयद नसीर अहमद ने बताया कि यह अभियान पहली बार 2018 में शुरू किया गया था, जिसे उम्मीद से अधिक सफलता मिली। इसके बाद देशभर के दानदाताओं, समाजसेवियों और सामाजिक संगठनों का सहयोग मिलता गया। अब तक करीब छह लाख बुक लेबल तैयार कर विभिन्न स्कूलों में वितरित किए जा चुके हैं।

इस वर्ष पहले चरण में एक लाख लेबल तैयार किए गए हैं और इन्हें महीने के अंत तक आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के स्कूलों में वितरित करने का लक्ष्य रखा गया है।

दुआ में उठे हजारों हाथ, आंखों से छलके आंसू; मेजर हमजा आरिफ को इंदौर ने दिया आखिरी सलाम

आवाज़ ए तसनीम

राजस्थान के जैसलमेर में सड़क हादसे में इंदौर के मेजर हमजा आरिफ शहीद हो गए. आज मेजर हमजा का मय्यत सैफी नगर स्थित मस्जिद में पहुंचा. वहां से इमली बाजार में मौजूद कब्रिस्तान ले जाया गया. मेजर हमजा आरिफ को आज सुबह 9 बजे इमली बाजार कब्रिस्तान में भारतीय सेना द्वारा पूरे राजकीय सम्मान के साथ सुपुर्द-ए-खाक किया गया. जनाजे में हजारों की संख्या में लोग शामिल हुए और मेजर हमजा की मगफिरत के लिए दुआएं कीं. हर चेहरे पर देश के एक बहादुर लाल को खोने का गम साफ दिखाई दे रहा था.दरअसल, गुरुवार देर रात एक दुखद सड़क हादसे में आर्मी मेजर हमजा की मौत हो गई, जबकि सेना के दो अन्य अधिकारी गंभीर रूप से घायल हो गए. यह हादसा तब हुआ जब सेना के अधिकारी अपनी ड्यूटी पूरी करके टाटा सफारी गाड़ी से लौट रहे थे. तभी अचानक सड़क पर एक ऊंट आ गया और उनकी गाड़ी उससे टकरा गई. टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि टाटा सफारी का संतुलन बिगड़ गया और वह चार-पांच बार पलट गई. इसके बाद गाड़ी सड़क पर करीब 100 मीटर तक घिसटती चली गई.

दो अधिकारियों का चल रहा है इलाज

हादसे की गंभीरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि गाड़ी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई. इस सड़क हादसे में मेजर हमजा को गंभीर चोटें आई और उनकी मौत हो गई. वहीं, उनके साथ मौजूद लेफ्टिनेंट आयुष्मान और लेफ्टिनेंट अभिनव राठौड़ भी गंभीर रूप से घायल हो गए. दोनों घायल अधिकारियों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है.

वरोध करो, लेकिन गाली मत दो, जंतर-मंतर पर क्करूमोदी के खिलाफ अपशब्दों से खफा मौलाना

डीएम-एसपी भी थे मौजूद

सड़क हादसे के बाद जुमे को मेजर हमजा का परिवार उनके पार्थिव शरीर को लेकर जैसलमेर से इंदौर के लिए रवाना हुआ था. शनिवार देर शाम पार्थिव शरीर को सबसे पहले महू मिलिट्री छावनी ले जाया जाएगा, जहां सेना पूरे सैन्य सम्मान के साथ उन्हें खिराज-ए-अकीदत पेश की. इसके बाद आज सुबह 9ः00 बजे सैफी नगर की सैफी मस्जिद ने जनाजे की नमाज अदा की गई है और कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक किया गया. इस दौरान जिले के डीएम और एसपी भी मौजूद थे. दोनों ने देश के लाल के आखिरी सलामी भी दी.

पुलिस भर्ती परीक्षा में हिजाब-नकाब पर नहीं होगी रोक, कर्नाटक सरकार का बड़ा ऐलान

आवाज़ ए तसनीम

पिछले कुछ सालों से तालीमी इदारों और एग्जाम सेंटर्स पर हिजाब, नाकाब और दीगर मजहबी कपड़े और चिन्हों को पहनने पर विवाद खड़ा हो जाता है. इस बीच कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियांक खड़गे ने शनिवार (1 अगस्त) को स्पष्ट किया कि आगामी पुलिस कॉन्स्टेबल भर्ती परीक्षा के दौरान धार्मिक पहनावा पहनने पर कोई रोक नहीं है और उन्होंने उम्मीदवारों से गलत जानकारी से गुमराह न होने की अपील की.प्रियांक खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पहले ट्विटर) पर एक पोस्ट में कहा कि कांग्रेस सरकार ने यह यकीनी बनाने के लिए व्यापक तैयारियां की हैं कि भर्ती परीक्षा निष्पक्ष, पारदर्शी और सुव्यवस्थित तरीके से आयोजित की जाए, ताकि उम्मीदवारों के भविष्य को सुरक्षित किया जा सके. उन्होंने कहा, सूबे की कांग्रेस सरकार ने स्टूडेंट्स के भविष्य को मजबूत करने और पूरी पारदर्शिता यकीनी बनाने की प्रतिबद्धता के साथ इस साल की भर्ती परीक्षा आयोजित करने के लिए व्यापक तैयारियां की हैं.गृह मंत्री ने बताया कि उम्मीदवारों के हॉल टिकट में इजाजत लेने और प्रतिबंधित वस्तुओं की लिस्ट पहले ही साफ तौर पर बता दी गई है. उन्होंने सभी उम्मीदवारों से निर्धारित ड्रेस कोड और परीक्षा दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन करने की अपील की. धार्मिक पहनावे से संबंधित नियमों को स्पष्ट करते हुए खड़गे ने कहा कि जो उम्मीदवार मजहबी कपड़े पहनकर परीक्षा में शामिल होना चाहते हैं, उन्हें ऐसा करने की इजाजत दी जाएगी, बशर्ते वे जरूरी सुरक्षा और पहचान सत्यापन प्रक्रिया से गुजरने के लिए परीक्षा शुरू होने से ढाई घंटे पहले अपने एग्जाम सेंटर पर पहुंचें.उन्होंने कहा, किसी भी मजहबी पहनावे पर कोई प्रतिबंध नहीं है. मजहबी पोशाक पहनने वाले उम्मीदवारों को जरूरी सुरक्षा जांच पूरी करने के बाद परीक्षा लिखने की अनुमति दी जाएगी. उन्होंने आगे कहा, ÷जो लोग धार्मिक पहनावा पहनकर परीक्षा देना चाहते हैं, उन्हें परीक्षा शुरू होने से 2.30 घंटे पहले केंद्र पर पहुंचना होगा और जांच करवानी होगी; उनके लिए परीक्षा देने की व्यवस्था की गई है. खड़गे ने नौकरी के उम्मीदवारों से अफवाहों या गलत जानकारी से भ्रमित न होने का आग्रह किया और उन्हें आत्मविश्वास के साथ परीक्षा में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित कियाउन्होंने कहा, मैं सभी उम्मीदवारों से अपील करता हूं कि वे भ्रमित न हों और आत्मविश्वास के साथ परीक्षा का सामना करें। मैं नौकरी के सभी उम्मीदवारों को भर्ती प्रक्रिया में सफलता की शुभकामनाएं देता हूँ. यह स्पष्टीकरण परीक्षा केंद्रों पर ड्रेस कोड के नियमों को लेकर हो रही चर्चाओं के बीच पुलिस कॉन्स्टेबल भर्ती परीक्षा से पहले आया है. सूबे की सरकार का कहना है कि परीक्षा पारदर्शिता के साथ आयोजित की जाएगी और यह यकीनी बनाया जाएगा।

حیدرآباد پر سائبر فراڈیوں کا شکنجہ‘ ڈیجیٹل ترقی کے سائے میں معاشی جرائم کا خطرناک طوفان

● تلنگانہ میں 2025 کے دوران 21,639 سائبر فراڈ مقدمات‘ شہریوں کو 1524 کروڑ روپے کا نقصان۔

● اوٹی پی فراڈ‘ گھوسٹ سم‘ سم سویپ‘ اور جعلی یو پی آئی ایپس‘ سائبر مجرموں کے نئے ہتھکنڈے‘ ہر شہری کیلئے خطرے کی گھنٹی

● دکاندار‘ بزرگ شہری اور چھوٹے کاروباری سب سے زیادہ نشانے پر‘ چند لمحوں کی غفلت زندگی بھر کی کمائی چھین سکتی ہے۔

آوازِ تسنیم

حیدرآباد میں بڑھتے ہوئے معاشی جرائم: بیداری اور بہتر تحفظ کی ضرورت:

حیدرآباد، جسے کبھی ہندوستان کا سائبر دارالحکومت کہا جاتا تھا، اب ایک ابھرتی ہوئی اور تشویشناک حقیقت کا سامنا کررہا ہے‘ یہ سائبر مجرموں کے لیے ایک آسان شکارگاہ بن چکا ہے۔ جس ڈیجیٹل بنیادی ڈھانچے نے شہر کے آئی ٹی انقلاب کو طاقت دی تھی، اب اسے شہریوں کے خلاف ہتھیار کے طور پر استعمال کیا جارہا ہے۔ سال 2025 میں تلنگانہ میں درج ہونے والی ہر چار بڑی ایف آئی آرز میں سے ایک سائبر کرائم سے متعلق ہے، جس سے اس مسئلہ کی سنگینی کا اندازہ لگایا جاسکتا ہے۔

بحران کا سنسنی خیز پیمانہ: اعداد و شمار ایک خوفناک تصویر پیش کرتے ہیں۔ صرف 2025 میں تلنگانہ میں سائبر کرائم کی 21,639 ایف آئی آرز درج کی گئیں جو کہ قومی مجموعی تعداد کا 44 فیصد ہے‘ جس میں 1,524 کروڑ روپے سے زائد کا مالی نقصان ہوا۔ حیدرآباد کے پولیس کمشنر وی سی سجنار نے انکشاف کیا کہ حیدرآباد کمشنریٹ کے تحت شہری آن لائن دھوکہ دہی کی وجہ سے روزانہ اوسطاً 1 کروڑ روپے سے محروم ہورہے ہیں۔ صرف ماہِ اکتوبر 2025 میں سائبر مجرموں نے 196 معاملات کے ذریعے حیدرآباد کے شہریوں سے 5.68 کروڑ روپے لوٹ لیے۔

ان اعداد و شمار کے پیچھے حقیقی لوگ ہیں: وہ خاندان جو اپنی زندگی بھر کی جمع پونجی کھو رہے ہیں، چھوٹے کاروباری جن کے بینک اکاؤنٹس راتوں رات منجمد ہوجاتے ہیں، اور وہ بزرگ شہری جنہیں نفسیاتی چالوں کے ذریعے کروڑوں روپے دینے پر مجبور کیا جاتا ہے۔

دھوکہ دہی کی مختلف صورتیں: اوٹی پی (OTP) اسکام: سب سے عام خطرہ: ون ٹائم پاس ورڈ (OTP) کے ذریعے کی جانے والی دھوکہ دہی حیدرآباد میں سائبر کرائم کی سب سے عام شکل بن چکی ہے۔ مجرم دھوکہ دہی پر مبنی فون کالز، ایس ایم ایس، واٹس ایپ پیغامات، جعلی کسٹمر کیئر نمبرز اور فرضی ویب سائٹس کا استعمال کرتے ہوئے لوگوں کو اوٹی پی شیئر کرنے پر راغب کرتے ہیں۔ ایک بار اوٹی پی حاصل کرنے کے بعد، یہ مجرم رقم نکال لیتے ہیں، کریڈٹ کارڈز کا غلط استعمال کرتے ہیں، ای کامرس اکاؤنٹس پر قبضہ کرلیتے ہیں اور شناخت چوری کرتے ہیں۔

عام حربوں میں بینک نمائندہ بن کر یہ دعویٰ کرنا شامل ہے کہ اوٹی پی شیئر نہ کرنے پر اکاؤنٹ بند کردیا جائے گا، فرضی ریفنڈ یا کیش بیک کی ترغیب دینا، فوری قرض یا ملازمت کی منظوری کا وعدہ کرنا، اور ڈیلیوری ایجنٹ کا روپ دھارنا شامل ہے۔ مزید پیچیدہ اسکیموں میں، مجرم اوٹی پی کا استعمال سم سوپ (SIM Swap) کے لیے کرتے ہیں، جس سے بینکنگ الرٹس روک کر غیر مجاز لین دین ممکن بنایا جاتا ہے۔

سم سوپ اور گھوسٹ سم (Ghost SIM) نیٹ ورک: ان جرائم کی پیچیدگی تشویشناک ہے۔ ایک معاملے میں، 77.7 لاکھ روپے کے سم سویپ فراڈ کے سلسلے میں چھ افراد کو گرفتار کیا گیا، جہاں انہوں نے اوٹی پی کو ڈائیورٹ کرنے کے لیے متاثرین کو پہلے سے لوڈ شدہ موبائل ڈیوائسز کوریئر کے ذریعے بھیجیں۔ بینک حکام بن کر، انہوں نے متاثرین کو ای-سم (e-SIM) کو فزیکل سم میں تبدیل کرنے اور ان آلات میں داخل کرنے پر آمادہ کیا جن میں بدعنوان (Malicious) اپلی کیشنز شامل تھیں۔

اس سے بھی زیادہ منظم ''گھوسٹ سم'' نیٹ ورک ہے۔ آپریشن آکٹوپس 3.0 کے ذریعہ حیدرآباد پولیس نے 66 افراد کو گرفتار کیا جو کہ پورے ہندوستان میں 101.87 کروڑ روپے کے 76 سائبر کرائم کیسز سے منسلک تھے۔ یہ گھوسٹ سمز‘ جو بے خبر صارف کے نام پر فرضی طور پر ایکٹیویٹ کی جاتی ہیں‘ منظم سائبر مجرموں کو گمنامی فراہم کرتی ہیں۔ پوائنٹ آف سیل (PoS) ایجنٹس کو گاہکوں کے علم کے بغیر اضافی سم کارڈ ایکٹیویٹ کرتے اور بیرون ملک بھیجنے کے لیے ای-سم میں تبدیل کرتے ہوئے پایا گیا۔

دکانداروں کو نشانہ بنانے والا خاموش اسکام: ایک خاص طور پر نقصان دہ دھوکہ دہی چھوٹے کاروباریوں کو متاثر کررہی ہے۔ مجرم جعلی پیمنٹ گیٹ وے اپلی کیشنز کا استعمال کرتے ہیں جو فون پے (PhonePe) اور گوگل پے (Google Pay) جیسے معتبر پلیٹ فارمز کی نقل کے طور پر ڈیزائن کی گئی ہیں۔ یہ جعلی ایپس فرضی ٹرانزیکشن کنفرمیشن دکھاتی ہیں‘ یہاں تک کہ ساؤنڈ باکسز پر بھی‘ جس سے دکانداروں کو یہ یقین ہوجاتا ہے کہ رقم موصول ہوگئی ہے جبکہ حقیقت میں کوئی رقم منتقل نہیں ہوئی ہوتی۔

ایک اور طریقے میں، مجرم دکانداروں کے پاس نقد رقم کو یو پی آئی (UPI) ٹرانسفر میں تبدیل کرنے پر زیادہ کمیشن کی پیشکش کے ساتھ آتے ہیں۔ نقد رقم حوالے کیے جانے کے بعد، اسکامرز سائبر کرائم کی فرضی شکایات درج کرواتے ہیں جس سے متاثرہ شخص کا بینک اکاؤنٹ منجمد ہوجاتا ہے۔ حیدرآباد میں صرف چار ماہ میں ایسے کم از کم چار معاملات سامنے آئے۔

لوگ اس کا شکار کیوں ہورہے ہیں؟: بنیادی مسئلہ اوٹی پی کے حوالے سے احتیاط کی کمی میں مضمر ہے۔ ہندوستانی اب روزانہ متعدد بار اوٹی پی حاصل کرتے اور شیئر کرتے ہیں۔ ای کامرس ڈلیوریز، اوٹی ٹی لاگ انز، بل کی ادائیگیوں اور دیگر بے شمار معمول کے کاموں کے لیے۔ اوٹی پی سیکیورٹی کی کلید کی حیثیت سے اپنی نفسیاتی اہمیت کھو چکا ہے اور ڈیجیٹل زندگی کا ایک اور عام حصہ بن چکا ہے۔ مجرم اسی لاپرواہی کا فائدہ اٹھاتے ہیں۔

قومی سطح پر، شہریوں نے گزشتہ سال سائبر مالیاتی دھوکہ دہی کی وجہ سے 22,845 کروڑ روپے سے زائد کے نقصان کی اطلاع دی جو کہ 2023 سے 206 فیصد زیادہ ہے۔ جیسا کہ آر بی آئی کے گورنر نے گلوبل فن ٹیک فیسٹ 2025 میں نوٹ کیا، ہندوستان کی ڈیجیٹل تبدیلی سے منسلک ڈیجیٹل فراڈ میں اضافہ ایک الجھا ہوا اور سنگین مسئلہ ہے۔

بہتر تحفظ کی ضرورت: اگرچہ قانون نافذ کرنے والے ادارے نمایاں پیش رفت کررہے ہیں‘ تلنگانہ نے 2025 میں دھوکہ دہی کے نقصانات میں 20 فیصد کمی حاصل کی اور مجرموں کے بینک اکاؤنٹس کو ہولڈ کرنے کے تناسب کو 9 فیصد سے بڑھا کر 12 فیصد کیا‘ لیکن مسئلے کی سنگینی مزید اقدامات کا مطالبہ کرتی ہے۔

''افراد کے لیے'' دفاعی لائن بیداری ہے۔ کوئی بھی بینک، سرکاری ایجنسی، ای کامرس پلیٹ فارم، یا ڈلیوری سروس کبھی بھی اوٹی پی نہیں مانگتی۔ شہریوں کو چاہیے کہ:

☆ کبھی بھی کسی کے ساتھ اوٹی پی، پاس ورڈ، یا بینکنگ کی تفصیلات شیئر نہ کریں۔

☆ نامعلوم یو پی آئی (UPI) درخواستوں کو قبول نہ کریں۔

☆ کسٹمر کیئر نمبرز کی تصدیق صرف باضابطہ ویب سائٹس یا ایپس کے ذریعے کریں۔

☆ سم لاک، ڈیوائس اسکرین لاک، اور بینک ٹرانزیکشن الرٹس کو فعال رکھیں۔

☆ کسی بھی مشتبہ فراڈ کی اطلاع فوری طور پر 1930 یا cybercrime.gov.in پر دیں۔

''دکانداروں اور چھوٹے کاروباروں کے لیے'': ساؤنڈ باکس الرٹس پر انحصار کرنے کے علاوہ، تاجروں کو چاہیے کہ:

☆ اپنے اصل بینک اکاؤنٹ یا یو پی آئی ایپ کو چیک کرکے ہر ادائیگی کی تصدیق کریں۔

☆ کمیشن کی پیشکشوں کے باوجود، اجنبیوں کے ساتھ کبھی بھی نقد رقم کے بدلے یو پی آئی ٹرانزیکشن نہ کریں۔

☆ ہر اس ٹرانزیکشن سے ہوشیار رہیں جو غیر معمولی طور پر فائدہ مند معلوم ہو۔

''مجموعی طور پر معاشرے کے لیے'' حیدرآباد پولیس کی ''جاگرت حیدرآباد - سرکشت حیدرآباد'' مہم اور ''سائبر سمبھا'' رضا کارانہ اقدام صحیح سمت میں قدم ہیں۔ جہاں زمینی سطح پر بیداری پیدا کی جارہی ہے تاکہ ہر گھر میں کم از کم ایک شخص دھوکہ دہی کے حربوں سے واقف ہو۔ جیسا کہ ڈی جی پی بی شیودھر ریڈی نے کہا، ''اگر ایک شخص دس کو بتاتا ہے، اور دس بیس کو بتاتے ہیں، تو یہ ایک تحریک بن جاتی ہے''۔

نتیجہ: ڈیجیٹل انقلاب نے حیدرآباد میں بے مثال سہولت فراہم کی ہے، لیکن اس نے استحصال کے نئے راستے بھی کھول دیے ہیں۔ مجرم سائنسی طور پر جدید، منظم اور بے رحم ہیں بی وہ ریاستی سرحدوں کے پار کام کررہے ہیں، گھوسٹ سمز اور جعلی ایپس کا استعمال کررہے ہیں، اور انسانی لالچ اور خوف کا فائدہ اٹھا رہے ہیں۔

حل: ڈیجیٹل ادائیگیوں کو ترک کرنے میں نہیں ہے بلکہ ایک ایسی ڈیجیٹل طور پر خواندہ آبادی کی تعمیر میں ہے جو ہر اوٹی پی درخواست کو شک کی نگاہ سے دیکھے اور ہر غیر معمولی پیشکش پر شبہ کرے۔ جیسا کہ سائبر کرائم کمشنر سجنار نے تاکید کی، ''بنیادی سطح پر بیداری ہی اس زنجیر کو توڑنے کی کلید ہے''

ایک ایسے دور میں جہاں ایک لاپرواہ لمحہ بینک اکاؤنٹ خالی کرسکتا ہے، بیداری اختیاری نہیں ہے۔ یہ ڈیجیٹل معیشت میں بقا کے لیے انتہائی ضروری ہے۔

...☆☆☆...

ہندوستانی مسلمانوں پر مظالم‘ ساری دنیا میں تشویش

● ملک کے نوجوان نفرت کی سیاست کو ختم کرنے کے لئے کمربستہ۔ ● ہر طرف ''ہندو۔مسلم راضی تو کیا کرے گا نازی'' کے نعرے۔

● ہندو۔مسلمان، شمشان۔قبرستان، ہندوستان۔پاکستان کی باتیں کب تک؟۔ ● کیا ان نفرتی مہمات سے بھارت کا مستقبل روشن ہوگا اگر نہیں تو اپنی دکانیں بند کرو۔ ● کانوڑی یاترا کیلئے قومی شاہراہوں کا رخ بدلنے کا اعلان۔10 منٹ کی نماز سڑک پر گوارا نہیں۔

میرا یہ ماننا ہے کہ غلامی صرف زنجیروں کا نام نہیں ہے، ''سوچ'' کا مفلوج ہوجانا سب سے بڑی غلامی ہے۔ میں یہ بھی کہتا ہوں کہ موت غلامی کی زندگی سے ہزار درجہ بہتر ہے۔ آزاد پیدا ہونے والے انسان کو غلام بنانا سب سے بڑا گناہ ہے۔ اس میں کوئی شک نہیں ہے کہ غلامی انسان سے اس کی عقل، ہمت اور خودداری چھین لیتی ہے۔ یقیناً آزادی ایک ایسی نعمت ہے جس کی کوئی قیمت نہیں لگائی جاسکتی ہے اور جو قوم غلامی کو قبول کرلیتی ہے وہ جینے کا حق بھی کھو دیتی ہے۔ ایسی ہی صورتحال آج وطن عزیز میں پیدا ہوئی ہے جس کے خلاف اب سارا ہندوستان اٹھ کھڑا ہوا ہے۔ نیا ہندوستان نہ صرف غلامی کو شکست فاش دینا چاہتا ہے بلکہ اقلیتوں اور خاص طور پر مسلمانوں کے ساتھ کی جارہی مذموم نفرت کے خلاف بھی اعلان جنگ کرچکا ہے۔ اس وقت ساری دنیا کی نظریں ہندوستان پر لگی ہوئی ہیں۔ ساری دنیا مسلمانوں پر کئے جارہے مظالم کے خلاف دعائیں کررہی ہیں۔ انہیں مسجدوں کے انہدام اور گرجاؤں کی بے حرمتی پر بھی گہری تشویش ہے۔ اس دوران اترپردیش کے انتہائی نکمے اور اخلاق سے گرے ہوئے چیف منسٹر یوگی نے کانواڑی یاترا کے لئے پانچ دن تک قومی شاہراہوں کا رخ بدلنے کا اعلان کیا جبکہ اس نکمے چیف منسٹر کو سڑک پر 10 منٹ کی نماز رکاوٹ لگتی ہے۔ واہ رے ہندوستان اس طرح کے چھچھورے لوگوں کو کس طرح سے برداشت کیا جارہا ہے۔ ان ساری چیزوں کے باوجود اس ابھرتے ہوئے ہندوستان کو دیکھ کر سنگھ پریوار اور اس کی ترجمان بھارتیہ جنتا پارٹی کے پسینے چھوٹ رہے ہیں۔

پچھلے دنوں ملک عزیز کے نوجوانوں کی تحریک کے آگے بھارتیہ جنتا پارٹی کے نام نہاد سورما گھٹنے ٹیکنے پر مجبور ہوگئے اور انہوں نے نوجوانوں کے اس مطالبہ کو قبول کرلیا کہ وزیر تعلیم دھرمیندر پردھان کو مستعفی ہوجانا چاہئے۔ بہرحال اس کا یہ استعفیٰ پچھلے 12 سال کی حکومت میں کسی وزیر کا پہلا استعفیٰ ہے اور بھارتیہ جنتا پارٹی کے شکست کا آغاز بھی سمجھا جائے گا۔ دھرمیندر پردھان کا استعفیٰ مانگنے والے نوجوان آج دل و جان سے یہ نعرہ لگارہے ہیں ''نفرت کی سیاست کو ختم کیا جائے ورنہ وہ اس کے خلاف کسی بھی طرح کی قربانی دینے کے لئے تیار ہیں''۔ ملک کے عوام کو بانٹنے والے غداروں کو احساس ہوجانا چاہئے کہ جب ہندوستان نے مہاتما گاندھی کی قیادت میں جلاد اور قاتل انگریزوں کو نکال پھینکا تھا تو ہندوستان کے یہ فرقہ پرست عناصر کس کھیت کی مولی ہیں۔ اس سچائی سے کون انکار کرسکتا ہے کہ جمہوریت کو دنیا کا بہترین نظامِ حکومت کہا جاتا ہے، کیونکہ اس میں اصل طاقت عوام کے پاس ہوتی ہے۔ عوام اپنے نمائندے خود منتخب کرتے ہیں اور حکومت صرف ان کی خدمت کے لئے قائم ہوتی ہے لیکن آج بہت سے لوگوں کو یہ احساس ہوتا ہے کہ جمہوریت میں بھی عوام کی اہمیت صرف انتخابات تک محدود ہوکر رہ گئی ہے اور انہیں محض ووٹ دینے والی مشین سمجھا جانے لگا ہے، نہ کہ فیصلوں میں حقیقی شریک۔ انتخابات کے دوران سیاسی جماعتیں عوام سے بڑے بڑے وعدے کرتی ہیں۔ روزگار، تعلیم، صحت، انصاف اور ترقی کے خواب دکھائے جاتے ہیں لیکن اقتدار حاصل کرنے کے بعد اکثر وعدے پسِ پشت ڈال دیئے جاتے ہیں کیونکہ بھارتیہ جنتا پارٹی کے پاس کوئی معاشی نظریہ نہیں ہے جس کے باعث وہ شمشان۔قبرستان، مندر۔مسجد، ہندو۔مسلم اور ہندوستان۔پاکستان جیسے گھٹیا موضوعات پر بحث پھیلا کر عوام کی توجہ کو ہٹا رہی ہے۔ ایسا ایک بار ممکن ہے بار بار ایسی حرکتیں نہیں چل پاتیں اور آج بلاتکلف یہ کہا جاسکتا ہے کہ بی جے پی تباہی کے دہانے پر پہنچ گئی ہے۔ سنگھ پریوار بھی گھٹنے ٹیکنے لگا ہے اور آر ایس ایس کے نام نہاد رضا کار بھی اسے چھوڑ کر اپنے کاروبار میں لگ گئے ہیں۔ انہیں احساس ہوگیا ہے کہ عوام کی طاقت ان کے زہریلے نظریہ کو اپنے پیار اور آپسی محبت کے ذریعہ نیست و نابود کردیں گے۔ ایک نعرہ بھی آج زوروں پر چل رہا ہے کہ جب ''ہندو مسلم راضی تو کیا کرے گا نازی''۔ جب ہم یعنی ہ سے ہندو اور م سے مسلمان ایک جٹ ہوگئے ہیں تو کوئی ہمارا اتحاد کیا بگاڑ پائے گا۔ یہاں اس بات کا تذکرہ بیجا نہ ہوگا کہ عوام کی شکایات، مسائل اور ضروریات پر وہ توجہ نہیں دی جاتی جس کی توقع کی جاتی ہے تو یہی صورتحال عوام میں مایوسی اور بے اعتمادی پیدا کرتی ہے۔ کرپشن، اقربا پروری اور اختیارات کا چند ہاتھوں میں سمٹ جانا بھی اس احساس کو مضبوط کرتا ہے کہ عوام کی رائے کی حقیقی قدر نہیں رہی۔

جب قانون سب کے لیے برابر نافذ نہ ہو اور طاقتور افراد احتساب سے بچ جائیں تو عام شہری خود کو کمزور اور بے اختیار محسوس کرنے لگتا ہے اور وہیں سے انقلاب جنم لیتا ہے جسے دنیا کی کوئی طاقت چاہے اسے راون کہہ لیں، فرعون کہہ لیں یا ہٹلر، روک نہیں سکتی۔ یہی کہا جاسکتا ہے کہ جمہوریت کی اصل روح عوام کی آزادی، برابری اور عزت میں ہے، نہ کہ ان کی بے بسی میں۔ اگر حکمران دیانت داری سے عوام کی خدمت کریں اور شہری بھی اپنے حقوق کے ساتھ اپنی ذمہ داریاں نبھائیں، تو جمہوریت ایک ایسا نظام بن سکتا ہے جس میں ہر فرد خود کو بااختیار اور باعزت محسوس کرسکے، نہ کہ غلام۔ سچائی تو یہ ہے کہ جمہوریت میں حکمران دراصل عوام کے غلام ہوتے ہیں لیکن شومئی قسمت سے یہ بیہودے لوگ اپنے آپ کو عوام کا آقا سمجھنے لگے ہیں جس کی وجہ سے ملک تباہی کی سمت جارہا تھا لیکن اب ایسا نہیں ہوگا کیونکہ ''رات جتنی بھی سنگین ہوگی صبح اتنی ہی رنگین ہوگی''۔

...☆☆☆...

''منتخب آمریت'' کی ناقابلِ تسخیر دیوار میں شگاف،

نوجوانوں نے راستہ دکھایا

ہم سب کاکروچ جنتا پارٹی کے قیام اور جنتر منتر پر اس کے حالیہ زبردست احتجاج کے بارے میں جانتے ہیں۔ وردی پوش پولیس اور بغیر وردی کے مشتبہ افراد نے دہلی اور دیگر مقامات پر نوجوانوں پر لاٹھی چارج کیا اور ان کے خلاف پیلیٹ گنوں اور یہاں تک کہ بہار میں اے کے۔47 رائفل تک استعمال کی گئی۔ یہ سب جمہوری اقدار اور جمہوری طریقہ کار کے بالکل خلاف تھا۔ احتجاج کا دوسرا پہلو رقص و موسیقی میں مصروف نوجوان، مل کر پوسٹر بناتے نوجوان، ہنستے گاتے نوجوان تھے، جو ہمیں کارل مارکس کے مشہور قول کی یاد دلاتے ہیں کہ ''انقلاب عوام کا جشن ہوتا ہے۔'' اگرچہ جنتر منتر اور ملک کے دیگر حصوں میں ہونے والے احتجاج کا پس منظر اور نوعیت کسی انقلاب سے مکمل طور پر مختلف تھی۔

آمرانہ رجحان رکھنے والی حکومت، جو عوام کے جائز مطالبات کی طرف ذرا بھی توجہ نہیں دیتی تھی، بہت طویل عرصے کے بعد جھکی۔ اس کی وجہ یہ تھی کہ احتجاج نئے نئے شہروں میں پھیلتا جارہا تھا اور آمرانہ حکومت کا خوف پگھلتا جارہا تھا۔ ہم پہلے بھی دیکھ چکے ہیں کہ کسانوں کی 12 ماہ تک جاری رہنے والی تحریک کے دوران حکومت کے کانوں پر جوں تک نہیں رینگی اور انتخابات قریب آنے پر ہی اس نے تین زرعی قوانین واپس لیے۔ حکومت نے شاہین باغ میں جاری احتجاج میں رکاوٹ ڈالنے کے لیے سماج دشمن عناصر کی حوصلہ افزائی کی۔ پیپر لیک کے خلاف وقتاً فوقتاً اٹھائی جانے والی آوازوں کو مکمل طور پر نظرانداز کردیا گیا۔

اس بار صورتحال مختلف تھی۔ حکومت نے تحریک کو نظرانداز کرنے کی کوشش کی لیکن آخرکار اسے مطالبات ماننے پر مجبور ہونا پڑا۔ ان میں سب سے نمایاں مطالبہ وزیر تعلیم دھرمیندر پردھان کے استعفے کا تھا۔ ان کی جگہ پرہلاد جوشی کو وزیرِ تعلیم بنایا گیا۔ جوشی بھی سنگھ کے پس منظر سے تعلق رکھتے ہیں۔ ان کی شخصیت کا اندازہ اس بات سے لگایا جاسکتا ہے کہ انہوں نے بلقیس بانو کے ساتھ زیادتی کرنے والوں کی رہائی کی حمایت کی تھی۔

پیپر لیک کے مسئلے پر غور کرنے اور اسے روکنے کے لیے اٹھائے جانے والے اقدامات کے بارے میں تجاویز دینے کے لیے ایک کمیٹی تشکیل دی گئی ہے۔ یہاں یہ بتانا دلچسپ ہوگا کہ پرینکا گاندھی کے مطابق اس کمیٹی میں ایک ایسے صاحب کو بھی شامل کیا گیا ہے جو گاؤ موتر کے ماہر ہیں اور کئی ایسے لوگوں کو بھی جو تعلیمی نظام کا الف، ب بھی نہیں جانتے۔

اس وقت جہاں طلبہ رہنما یہ یقینی بنانے میں مصروف ہیں کہ حکومت اپنے تحریری وعدوں کو پورا کرے، وہیں یہ ضروری ہے کہ ہم اس طلبہ تحریک کی ''کامیابی'' کو سمجھیں۔ یہ تحریک کسی بھی لحاظ سے فرانس میں 1968 کی طلبہ تحریک یا ہمارے پڑوسی ممالک سری لنکا، بنگلہ دیش یا نیپال کی طلبہ بغاوتوں جیسی نہیں تھی۔ لیکن اس کے باوجود یہ بی جے پی کے آئی ٹی میڈیا سیل کے بنائے ہوئے تصورات میں کافی تبدیلی لانے میں کامیاب رہی۔ اس نے اس پروپیگنڈے کے اثر کو بھی کچھ کم کیا جو گودی میڈیا اور سنگھ پریوار اپنی شاخوں، ہزاروں اسکولوں اور دیگر ذیلی تنظیموں کے ذریعے پھیلاتے ہیں۔ حکومت کے خلاف بے خوف ہوکر بولنے کی ہمت آہستہ آہستہ لوگوں میں واپس آئے گی، ایسی امید ہے۔

جہاں کاکروچ جنتا پارٹی اور اس کے رہنما ابھیجیت دیپکے اس احتجاج کے مرکز میں تھے، وہیں اس کی بنیاد گزشتہ کئی برسوں سے تیار ہورہی تھی۔ بڑھتی ہوئی بے روزگاری، روزمرہ زندگی کا مسلسل مہنگا ہونا اور بڑھتی ہوئی محرومیوں نے اس تحریک کو جنم دیا۔ اظہارِ رائے کی آزادی، مذہبی آزادی، بھوک اور خوشی کے اشاریوں میں بھارت کی مسلسل گرتی ہوئی درجہ بندی کو اگرچہ حکومت مسترد کرتی رہی، مگر یہ معاشرے کے بگڑتے ہوئے حالات کی عکاسی کرتی تھی۔

مرکزی دھارے کے میڈیا نے اپنی ذمہ داری کو حکمرانوں کی تعریف اور حزبِ اختلاف پر تنقید تک محدود کرلیا ہے۔ جمہوریت کے اس چوتھے ستون کا کس قدر زوال ہوا ہے اور اس کی شبیہ کیسی بن گئی ہے، اس کا اندازہ اس بات سے ہوتا ہے کہ احتجاج کے دوران لوگوں نے گودی میڈیا کے صحافیوں کو ہوٹ کیا۔ اگرچہ یہ کسی بھی لحاظ سے مناسب نہیں تھا، لیکن اس سے یہ ظاہر ہوتا ہے کہ عام لوگوں میں گودی میڈیا کی کتنی خراب شبیہ بن چکی ہے۔ اس کی وجہ یہ ہے کہ اس نے اپنی اصل ذمہ داری چھوڑ کر حکمرانوں کا خادم بننا قبول کرلیا ہے۔ ایسے ماحول میں جمہوری آزادیوں پر پابندیوں کے خلاف نوجوانوں کا جوش خوشی کا باعث ہے۔

کیا اس تحریک نے اپنا ہدف مکمل طور پر حاصل کرلیا ہے؟ اس کا جواب اس بات پر منحصر ہے کہ ''مکمل طور پر'' کی تعریف کیا ہے۔ اگرچہ وزیر تعلیم کی تبدیلی سے ''نان بایولوجیکل'' کا غرور کافی حد تک ٹوٹا، لیکن اس سے کوئی بڑی تبدیلی آنے والی نہیں کیونکہ ناگناتھ کی جگہ سانپناتھ کو بٹھا دیا گیا ہے۔ پیپر لیک کی بنیادی وجہ، یعنی معاشرے میں پھیلا ہوا بدعنوانی کا نظام، ذرا بھی متاثر نہیں ہوا۔ بدعنوانی میں کمی صرف اسی صورت میں آسکتی ہے جب زیادہ شفاف اور معاشرے کے ذریعے جانچے جاسکنے والا نظام نافذ کیا جائے۔

اگرچہ بدعنوانی کے مسئلے پر آر ایس ایس نے انا تحریک کی حکمتِ عملی بنانے میں اہم کردار ادا کیا تھا، جس کے نتیجے میں بعد میں کانگریس کو چیلنج دینے کے لیے عام آدمی پارٹی قائم ہوئی۔ مگر این ڈی اے حکومتوں نے بدعنوانی کے خاتمے کے لیے کوئی قدم نہیں اٹھایا۔ نہ ہی حکمرانوں کو اس کی فکر تھی۔ سڑکوں اور پلوں کی تعمیر پر خرچ کی گئی بھاری رقم بارش اور سیلاب میں ان کے بہہ جانے سے ضائع ہوگئی کیونکہ غالباً بی جے پی حکومت کے دوران ہونے والی ان تعمیرات میں بڑے پیمانے پر بدعنوانی ہوئی تھی۔

یہ ماننا ہی پڑے گا کہ جو بھی کامیابی حاصل ہوئی، اس کے لیے زمین تیار کرنے میں راہل گاندھی کا اہم کردار تھا۔ انہوں نے سماجی مسائل کے تئیں حکومت کے بے اعتنائی پر مبنی رویے کو بے نقاب کردیا۔ یہ کہنا مشکل ہے کہ آر ایس ایس-بی جے پی کی جانب سے کی گئی مذہب پر مبنی قطب بندی جنتر منتر کی تحریک سے کم ہوئی ہے یا نہیں۔ ہمارے نظام میں کیا خرابیاں ہیں، یہ ایک وسیع ترفہم کے ذریعے ہی جانا جاسکتا ہے۔ کیا یہ تحریک طویل عرصے تک انتخابی سیاست سے دور رہ پائے گی اور کیا یہ اس بنیادی مسئلے کو اٹھا پائے گی کہ فرقہ پرست طاقتوں نے کس طرح ملک کو امن اور ترقی کی راہ سے دور کردیا ہے۔

آزادی کی جدوجہد کے دوران اور ہمارے آئین میں جس بھارت کا خواب دیکھا گیا تھا، اسے انتہائی مکاری سے پیچھے دھکیل کر ملک کو ہندو راشٹر کے تصور کی طرف دھکیلا گیا ہے۔ قوم کی تعمیر کے مسئلے کی جگہ مسجدوں اور جامعات کو گرانے کے مسئلے کو مرکز میں لا دیا گیا ہے۔ ریاستی اقتدار میں آہستہ آہستہ ان لوگوں کی دراندازی بڑھتی جارہی ہے جنہوں نے آر ایس ایس کی شاخوں میں تفرقہ انگیز تربیت حاصل کی ہے یا جو گودی میڈیا اور سوشل میڈیا کی مدد سے پھل پھول رہے ہیں اور جنہیں واٹس ایپ یونیورسٹی کہا جاتا ہے۔

یہ احتجاج تازہ ہوا کے ایک جھونکے کی طرح تھا۔ ضرورت اس بات کی ہے کہ اس کا یہ سفر جاری رہے اور دوبارہ ہماری شناخت ہندو یا مسلمان کے بجائے بھارتی شہری کی ہو۔ یہ ملک اس میں رہنے والوں کا ہے، اس میں رہنے والے تمام لوگوں کا۔ جبکہ فرقہ وارانہ سیاست منوسمرتی پر مبنی ہندو راشٹر کی تعمیر پر زور دیتی ہے۔ ان کا پورا ایجنڈا برہمن وادی اقتدار کو مسلط کرنے کا ہے، جس میں مسلمان، عیسائی، آدیواسی، دلت، مزدور اور خواتین دوسرے درجے کے شہری ہوں گے۔

اس وقت تو احتجاجی تحریک کی کامیابی کی وجہ سے جوش اور خوشی کا ماحول ہے۔ یہ ماننا غلطی ہوگی کہ اس نے اپنے تمام اہداف حاصل کرلیے ہیں۔ جب تک ہم فرقہ پرست طاقتوں کو مکمل طور پر شکست نہیں دے دیتے، یا کم از کم ان کی طاقت کو بڑی حد تک کمزور نہیں کردیتے، تب تک موجودہ حکمران ہمارے ساتھ ایک کے بعد ایک طرح طرح کی ناانصافیاں کرتے رہیں گے۔ ہم نوجوانوں/طلبہ کی تعریف کرتے ہیں، انہیں سلام پیش کرتے ہیں اور امید کرتے ہیں کہ وہ مستقبل میں بھی آئین پر بالواسطہ حملوں کے چیلنج کا بھرپور مقابلہ کریں گے۔

...☆☆☆...

AI के दौर में सच की सबसे बड़ी लड़ाई: जब झूठ एक उद्योग बन जाए

एक समय था जब तस्वीरें सच का सबसे मजबूत प्रमाण मानी जाती थीं। किसी व्यक्ति की आवाज़ उसकी पहचान होती थी और वीडियो को अंतिम साक्ष्य समझा जाता था। लेकिन कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के इस नए दौर ने इस भरोसे की नींव को चुनौती दे दी है। आज एक तस्वीर बदली जा सकती है, आवाज़ की हूबहू नकल तैयार की जा सकती है और ऐसा वीडियो बनाया जा सकता है, जो कभी हुआ ही नहीं। सबसे बड़ी चिंता यह नहीं कि झूठ बोला जा रहा है, बल्कि यह है कि झूठ बोलना अब आसान, सस्ता और बेहद लाभदायक व्यवसाय बन चुका है।

आज फ़ेक न्यूज़ केवल सोशल मीडिया की समस्या नहीं रही। यह एक संगठित उद्योग का रूप ले चुकी है, जहां एल्गोरिद्म, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मानव मनोविज्ञान मिलकर भ्रम पैदा करते हैं और उससे आर्थिक व राजनीतिक लाभ कमाया जाता है। क्लिक, व्यूज़ और वायरल होने की दौड़ में सच पीछे छूटता जा रहा है, जबकि झूठ सबसे तेज़ दौड़ रहा है।

विश्व आर्थिक मंच (World Economic Forum) भी गलत सूचना और दुष्प्रचार को वैश्विक जोखिमों में शामिल कर चुका है। वहीं, एफबीआई के अनुसार इंटरनेट आधारित अपराधों से अरबों डॉलर का नुकसान हो चुका है। भारत भी इससे अछूता नहीं है। डिजिटल भुगतान, ऑनलाइन बैंकिंग और सोशल मीडिया के व्यापक विस्तार ने जितनी सुविधाएं दी हैं, उतने ही नए रास्ते साइबर अपराधियों और फर्जी सूचना फैलाने वालों के लिए भी खोल दिए हैं।

सबसे चिंताजनक बदलाव यह है कि अब झूठ केवल इंसान नहीं, मशीनें भी गढ़ रही हैं। कुछ शब्द लिखकर कोई भी व्यक्ति किसी नेता का नकली भाषण, किसी अधिकारी की फर्जी आवाज़ या किसी घटना का काल्पनिक वीडियो तैयार कर सकता है। डीपफेक तकनीक ने सत्य और असत्य के बीच की रेखा लगभग मिटा दी है। यही कारण है कि आज सच को भी अपनी सच्चाई साबित करनी पड़ रही है।

यह संकट केवल राजनीति तक सीमित नहीं है। बैंकिंग, शेयर बाजार, शिक्षा, स्वास्थ्य और न्याय व्यवस्था–हर क्षेत्र इस खतरे की चपेट में है। किसी बैंक के दिवालिया होने की अफवाह लोगों को अपनी जमा पूंजी निकालने पर मजबूर कर सकती है। किसी कंपनी के बारे में फर्जी खबर उसके शेयरों को प्रभावित कर सकती है। किसी परिवार के सदस्य की नकली आवाज़ बनाकर आर्थिक ठगी की जा सकती है। यानी दुष्प्रचार अब केवल राय नहीं बदलता, बल्कि सीधे आर्थिक और सामाजिक नुकसान भी पहुंचाता है।

इस चुनौती से निपटने के लिए केवल कानून पर्याप्त नहीं होंगे। सरकारों को प्रभावी नियमन करना होगा, लेकिन उससे भी अधिक जिम्मेदारी तकनीकी कंपनियों, मीडिया संस्थानों और शिक्षण संस्थानों की है। AI आधारित फर्जी सामग्री की पहचान करने वाले मजबूत सिस्टम विकसित करने होंगे। पत्रकारिता में सत्यापन की प्रक्रिया को और सख्त बनाना होगा। स्कूलों और विश्वविद्यालयों में डिजिटल साक्षरता को पाठ्यक्रम का अनिवार्य हिस्सा बनाना होगा ताकि नई पीढ़ी ऑनलाइन दिखाई देने वाली हर चीज़ को आंख मूंदकर सच न माने।

सबसे महत्वपूर्ण भूमिका आम नागरिक की है। अब केवल पढ़ना, देखना या सुनना पर्याप्त नहीं है। हर जानकारी को जांचना, स्रोत की पुष्टि करना और बिना सत्यापन के उसे साझा न करना हमारी सामाजिक जिम्मेदारी बन चुकी है। डिजिटल युग में सतर्क नागरिक ही लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत हैं।

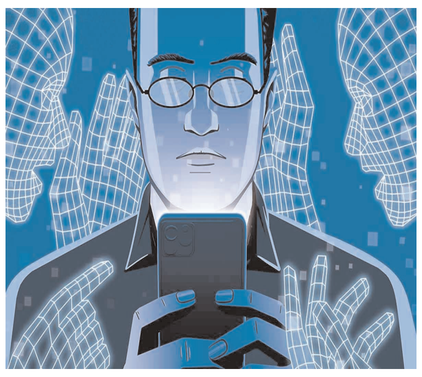

भारत आज दुनिया का सबसे बड़ा डिजिटल भुगतान तंत्र संचालित कर रहा है और डिजिटल अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है। लेकिन जितनी तेज़ी से तकनीक आगे बढ़ रही है, उतनी ही तेजी से झूठ भी नए रूपों में सामने आ रहा है। इसलिए तकनीकी प्रगति के साथ भरोसे की रक्षा भी उतनी ही आवश्यक है।

आखिरकार, सबसे बड़ा खतरा यह नहीं कि लोग हर झूठ पर विश्वास कर लेंगे। असली खतरा यह है कि यदि झूठ का यह सिलसिला यूँ ही चलता रहा, तो एक दिन लोग किसी भी सच पर विश्वास करना छोड़ देंगे। और जिस समाज से विश्वास खत्म हो जाए, वहां लोकतंत्र, न्याय और विकास–तीनों कमजोर पड़ जाते हैं।

आज के दौर में सबसे बड़ी जरूरत तकनीक से आगे बढ़कर सत्य, विवेक और जिम्मेदार नागरिकता को बचाने की है। क्योंकि AI के युग में सबसे मूल्यवान संपत्ति केवल डेटा नहीं, बल्कि विश्वास है।

पुष्कर को विकास की ऐतिहासिक सौगात

आस्था का सम्मान, विकास को नई उड़ान, पुष्कर के विकास को लगेंगे नए पंख:सुरेश सिंह रावत

44.78 करोड़ रूपए के विकास कार्यों की सौगात, श्री ब्रह्म द्वार का लोकार्पण एवं नवीन उप-जिला चिकित्सालय का शिलान्यास

जयपुर(नि.सं.)। जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने तीर्थराज पुष्कर को विकास की ऐतिहासिक सौगात देते हुए 1.40 करोड़ रूपए की लागत से निर्मित भव्य स्वागत द्वार श्री ब्रह्म द्वार का लोकार्पण तथा 43.38 करोड़ रूपए की लागत से बनने वाले नवीन उप-जिला चिकित्सालय के भवन का शिलान्यास किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री रावत ने कहा कि आस्था हमारी पहचान है, विकास हमारी प्रतिबद्धता है। हमारी सरकार तीर्थराज पुष्कर की धार्मिक गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए आधुनिक विकास के नए आयाम स्थापित कर रही है। आस्था का सम्मान, विकास को नई उड़ान। यही माननीय मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार की विकास सोच है, जिसके अनुरूप तीर्थराज पुष्कर को धार्मिक, सांस्कृतिक, पर्यटन एवं आधारभूत सुविधाओं की दृष्टि से निरंतर सशक्त बनाया जा रहा है। मंत्री रावत ने कहा कि तीर्थराज पुष्कर केवल राजस्थान ही नहीं, बल्कि संपूर्ण विश्व में आस्था का प्रमुख केंद्र है। यहाँ आने वाला प्रत्येक श्रद्धालु और पर्यटक पुष्कर की धार्मिक गरिमा, सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिक वातावरण से जुड़ता है। इसलिए राज्य सरकार का प्रयास है कि इस पवित्र नगरी की पहचान को अक्षुण्ण रखते हुए आधुनिक सुविधाओं का विस्तार किया जाए।

मुख्यमंत्री का झाड़ोल के बीड़ा गांव में प्रातः भ्रमण

गांव की समृद्धि ही देश की समृद्धि एवं विकसित राजस्थान का आधारः मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

जनसंवाद से जनकल्याण का माध्यम बन रही ग्राम विकास चौपाल

उदयपुर/जयपुर(नि.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का उदयपुर जिले की झाड़ोल तहसील स्थित बीड़ा गांव में रात्रि प्रवास ग्रामीणों के लिए एक नए सवेरे की सौगात लेकर आया। रविवार सुबह मुख्यमंत्री को गांव की गलियों में अपने बीच पाकर ग्रामीण उत्साहित नजर आए। मुख्यमंत्री ने रात्रि चौपाल में ग्रामीणों से प्राप्त सुझावों पर पानी की व्यवस्था के लिए कुएं निर्माण, सरस डेयरी सेंटर और खेल मैदान की घोषणा तथा तत्काल स्वीकृति दी। इसके लिए ग्रामवासियों ने मुख्यमंत्री का आभार जताया। मुख्यमंत्री ने प्रातः भ्रमण के दौरान गांव की गलियों में घूमकर ग्रामीणों से संवाद किया, बच्चों को दुलारा और चॉकलेट वितरित की। स्कूली बच्चों से उनकी शिक्षा एवं भविष्य की आकांक्षाओं की जानकारी ली। उन्होंने महिलाओं से वीबी-जी राम जी योजना की चर्चा की। साथ ही, बुजुर्गों से कुशलक्षेम पूछते हुए सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के लाभ और किसानों से स्थानीय खेती एवं उपज की

जानकारी ली।

उन्होंने ग्रामीणों के साथ चाय पर चर्चा की और उनके अभाव अभियोग सुने। इस दौरान ग्रामीणों की मांग पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को गांव में जल निकासी की समुचित व्यवस्था करने सहित अन्य मूलभूत सुविधाएं विकसित करने के निर्देश दिए।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने मीडिया से रूबरू होते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गांव की समृद्धि देश की समृद्धि का आधार बन रही है। इसी कड़ी में हम निरंतर ग्राम विकास चौपाल आयोजित कर रहे हैं। इनसे गांव के लोगों की सहभागिता बढ़ रही है तथा गांव की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बीड़ा गांव के ग्रामीण पशुपालन से जुड़े हुए हैं। यहां के लोग खेती और पशुपालन से आजीविका अर्जन करते हैं। छोटी जोत होने के कारण भी यहां के किसान मेहनत करते हुए प्राकृतिक खेती कर रहे हैं। हमारी माता-बहनें पशुपालन सहित सभी क्षेत्रों में बहुत अच्छा काम कर रही हैं। गांव में डेयरी नहीं होने के कारण ग्रामीणों को दूर जाना पड़ता था। इसलिए कल रात्रि चौपाल के दौरान हमने यहां सरस डेयरी केंद्र की स्वीकृति दी है और इस घोषणा का क्रियान्वयन भी शुरू हो गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजीविका महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण का माध्यम बन गया है।

उदयपुर के झाड़ोल में ग्राम विकास चौपाल

बिजली, पानी और ऋण सुविधा से किसान कल्याण किया सुनिश्चितःमुख्यमंत्री

गांव के खेत-खलिहान से पूरा होगा विकसित भारत का सपना

उदयपुर/जयपुर(नि.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किसानों को 6 हजार रुपये की सम्मान निधि दी है। वहीं, इसी कड़ी में राज्य सरकार ने भी 3 हजार रुपये की सम्मान निधि देने का काम किया है, जिससे अब प्रदेश में किसानों को 9 हजार रुपये की सम्मान निधि मिल रही है। उन्होंने कहा कि किसानों के कल्याण के लिए केन्द्र व राज्य सरकार पूर्ण प्रतिबद्धता से काम कर रही है। मुख्यमंत्री उदयपुर में झाड़ोल के ग्राम बीड़ा में ग्राम विकास चौपाल कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 76.18 लाख किसानों को अब तक 13 हजार 734 करोड़ रुपये की सम्मान निधि दी गई है। गेंहू की खरीद पर 150 रुपये का बोनस भी दिया हैं। वहीं, 1.8 लाख किसानों को 67 हजार करोड़ रुपये ब्याज मुक्त अल्पकालीन फसली ऋण दिए हैं। उन्होंने कहा कि पीएम फसल बीमा योजना में 2.19 करोड़ पॉलिसी सृजित कर 9 हजार 534 करोड़ रुपये का क्लेम वितरित किया है। पीएम कुसुम योजना के घटक बी में 67 हजार 408 सोलर पंप स्थापित किए हैं। इसी प्रकार, 2 लाख 31 हजार से अधिक कृषि कनेक्शन भी दिए हैं। बिजली के बिलों में 59 हजार 571 करोड़ रुपये का अनुदान दिया गया है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2027 तक सभी जिलों में किसानों को दिन में बिजली दी जाएगी। ऊर्जा क्षेत्र में राज्य सरकार के ठोस निर्णयों से वर्तमान में 26 जिलों के किसानों को दिन में बिजली मिल रही है। राज्य सरकार विभिन्न पेयजल परियोजनाओं पर काम कर रही है।

न्यूज ब्रीफ

जेलेंस्की ने अमेरिका और यूरोपीय देशों से पैट्रियट मिसाइलें मांगी

बोले- यूक्रेन भेजो, गोदामों में न रखो; रूस के हमले में 9 की मौत

कीव। रूस के ताजा मिसाइल और ड्रोन हमलों के बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने अमेरिका और यूरोपीय देशों से तुरंत पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम के इंटरसेप्टर मिसाइल भेजने की अपील की है। उन्होंने कहा कि ये मिसाइलें लोगों की जान बचाने के लिए हैं, इसलिए इन्हें गोदामों में रखने के बजाय यूक्रेन भेजा जाना चाहिए। रूस ने शनिवार रात कीव समेत कई शहरों पर बड़े पैमाने पर हमला किया था। यूक्रेनी अधिकारियों के मुताबिक हमले में 9 लोगों की मौत हुई, जबकि करीब 40 लोग घायल हुए हैं। जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि रूस ने रातभर में 35 मिसाइलें, जिनमें 27 बैलिस्टिक मिसाइलें थीं, और करीब 185-190 ड्रोन दागे।

जयपुर में बिजनेसमैन और उनकी पत्नियों ने रैंप वॉक की

ड्रेसेज पर हवामहल, समुद्र की लहरें चलती नजर आईं; मेट गाला जैसी भव्यता दिखी

जयपुर। जयपुर में शनिवार को बिजनेसमैन और उनकी पत्नियों ने रैंप वॉक की। किसी की ड्रेस पर हवामहल दिखा तो किसी की ड्रेस पर सुमद्र की लहरें साथ चलती नजर आईं। जयपुर में पहली बार हुए इस कार्यक्रम में विश्व प्रसिद्ध 'मेट गाला' जैसे फैशन शो की झलक दिखी। कार्यक्रम में कई प्रतिभागियों ने अंतरराष्ट्रीय फैशन ट्रेंड को अपनाया, वहीं बड़ी संख्या में लोगों ने राजस्थान की पारंपरिक पहचान को आधुनिक अंदाज में प्रजेंट किया। इस अनोखे आयोजन में फिल्मी सितारों की जगह जयपुर के उद्योगपति, व्यापारी, डॉक्टर, चार्टर्ड अकाउंटेंट, आर्किटेक्ट, जेम्स एवं ज्वेलरी कारोबार से जुड़े उद्यमी और विभिन्न क्षेत्रों के प्रोफेशनल्स ने हिस्सा लिया।

40 स्कूलों के 450 स्टूडेंट ने दिखाया टैलेंट: फैशन शो से एआई तक का हुनर दिखा

जयपुर। अपेक्स इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित अपेक्स फिएस्टा-2026 इंटर-स्कूल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। शहर के 40 प्रतिष्ठित विद्यालयों के लगभग 450 विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेकर अपनी कला, तकनीकी कौशल और रचनात्मक सोच का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अपेक्स इंटरनेशनल स्कूल ने सर्वाधिक अंक हासिल कर ओवरऑल चैंपियन बनने का गौरव प्राप्त किया।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में बाल अधिकारिता विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित

सड़क पर भीख मांगने वाले बच्चों को चिन्हित कर उन्हें स्वयंसेवी संस्थाओं के माध्यम से शिक्षा से जोड़ा जाए:दिया कुमारी

जयपुर(नि.सं.)। उपमुख्यमंत्री एवं महिला एवं बाल विकास तथा बाल अधिकारिता मंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में शासन सचिवालय में बाल अधिकारिता विभाग की योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं संस्थाओं की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य है कि बालिकाओं और बालकों को सुरक्षित आवास, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सम्मानजनक जीवन मिले। बालिकाओं के पुनर्वास के कार्य को प्राथमिकता से किया जाए। बालिकाओं को शिक्षा से जोड़ा जाए और यदि वे रोजगार की ओर बढ़ना चाहें तो उन्हें विभिन्न कौशल प्रशिक्षण दिए जाएं। बालिकाओं को माता-पिता के पास भेजने के लिए माता-पिता और बालिकाओं दोनों की प्रभावी काउंसलिंग की जाए।

बैठक में उप मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए प्रमुख निर्देश

1. **बाल गृहों एवं बालिका गृहों का सुदृढीकरणः** विभाग द्वारा संचालित बाल गृहों एवं बालिका गृहों के भवनों की आवश्यक मरम्मत तत्काल कराई जाए। वहां आवासित बालक-बालिकाओं को भोजन, स्वास्थ्य, शिक्षा जैसी सभी आवश्यक सेवाओं की निर्बाध प्रदायगी सुनिश्चित की जाए।
2. **कौशल प्रशिक्षण एवं पुनर्वासः** आवासित बालक-बालिकाओं को रोजगारोन्मुखी कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया जाए। बालिकाओं एवं उनके परिजनों की प्रभावी काउंसलिंग की व्यवस्था की जाए ताकि उनका सामाजिक पुनर्वास संभव हो सके।
3. **शिशु गृहों में संसाधन विकासः** शिशु गृहों में प्राप्त राशि का सदुपयोग कर वहां की व्यवस्थाओं एवं संसाधनों को और बेहतर बनाया जाए।
4. **बजट उपयोग एवं मॉनिटरिंगः** योजनाओं में प्राप्त बजट का समय पर उपयोग किया जाए। विभाग स्तर पर योजनाओं की नियमित समीक्षा की जाए और किसी प्रकार की देरी न हो।
5. **सड़क पर भीख मांगने वाले बच्चों का पुनर्वासः** सड़क पर भीख मांगने वाले बच्चों को चिन्हित कर उन्हें स्वयंसेवी संस्थाओं/एनजीओ के माध्यम से शिक्षा से जोड़ा जाए।

पत्रकार सिकंदर खान की पुत्री महजबी बानो का निधन, पत्रकारिता जगत में शोक

आवाज़ ए तसनीम

जोधपुर। वरिष्ठ पत्रकार सिकंदर खान की विवाहित पुत्री महजबी बानो (30 वर्ष) का लंबी मानसिक पीड़ा के बाद मंगलवार, 29 जुलाई को शहर के एक निजी अस्पताल में उपचार के दौरान असामयिक निधन हो गया। उनके निधन से परिवार, रिश्तेदारों, शुभचिंतकों तथा पत्रकारिता जगत में गहरा शोक व्याप्त है।

परिजनों के अनुसार महजबी बानो पिछले लगभग दो महीनों से तनाव एवं अवसाद से जूझ रही थीं। उनका उपचार शहर के एक निजी अस्पताल में चल रहा था, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली।

महजबी बानो का विवाह जालोर में हुआ था। गुरुवार सुबह 10 बजे जालोर स्थित शहर-ए-खामोशां में उन्हें नम आंखों के बीच सुपुर्द-ए-खाक किया गया। अंतिम यात्रा में परिजन, रिश्तेदार, मित्रगण तथा बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

महजबी बानो स्नातकोत्तर एवं बी.एड. शिक्षित थीं। उन्होंने पूर्व में मौलाना आजाद अपर प्राइमरी स्कूल में शिक्षिका के रूप में भी अपनी सेवाएं दी थीं। अपने सरल स्वभाव, विनम्र व्यवहार और मिलनसार व्यक्तित्व के कारण वे सभी के बीच सम्मानित थीं। अपने पीछे वे 9 माह की एक मासूम पुत्री को छोड़ गई हैं, जिसके भविष्य को लेकर परिवार गहरे दुःख में है।

महजबी बानो के पिता सिकंदर खान लंबे समय से पत्रकारिता के क्षेत्र में सक्रिय हैं और विभिन्न राज्य स्तरीय समाचार पत्रों में संवाददाता के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं।

महजबी बानो के असामयिक निधन पर पत्रकार संगठनों, सामाजिक संस्थाओं एवं विभिन्न वर्गों के लोगों ने गहरा शोक व्यक्त किया है। सभी ने दिवंगत आत्मा की मग़फ़िरत तथा शोक संतप्त परिवार को यह अपार दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की दुआ की है।

हथियारों की खेप लेकर पंजाब जा रहा डिलीवरी मैन गिरफ्तार

पाक तस्करों ने ड्रोन से 50 करोड़ की हेरोइन, 11 पिस्टल, 100 कारतूस भेजे

जयपुर। खाजूवाला बॉर्डर पर पाकिस्तान से ड्रोन से भेजी गई 50 करोड़ की 10 किलो हेरोइन, 11 पिस्टल, 100 कारतूस और 33 मैग्जीन पुलिस ने जब्त कर ली। खेप लेकर पंजाब जा रहे जैतारण निवासी डिलीवरी मैन वीरेन्द्र राजपुरोहित को गिरफ्तार किया गया है। हथियार और ड्रग्स पंजाब जेल में बंद 'लक्की' नाम के हैंडलर ने मंगाई थी। पुलिस को पहले से ड्रोन ड्रॉपिंग और डिलीवरी लेने आने वाले व्यक्ति की सूचना थी। वीरेन्द्रसिंह लोकेशन पर पहुंचा।

गृहमंत्री के दौरे के बाद बढ़ी सख्ती, तभी साजिश नाकाम

पिछले दिनों गृहमंत्री अमित शाह के बीकानेर दौरे में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर ड्रोन से तस्करी रोकने पर मंथन हुआ था। इसके बाद पुलिस ने पुराने ड्रोन ड्रॉपिंग मामलों के आरोपियों और संपर्क में रहने वालों को राडार पर ले लिया।

-मृदुल कच्छावा, एसपी, बीकानेर

पंजाब में बंद हैंडलर लक्की ने मंगवाई थी खेप

ऑपरेशन शॉकवेवः हथियारों की खेप में तुर्की निर्मित 2 जिगाना पिस्टल; चार क्लोग पिस्टल

हेरोइन 999 मार्का अफगान की है। हथियारों में दो तुर्की निर्मित जिगाना पिस्टल, चार क्लोग पिस्टल और पांच स्टार मार्क .30 बोर की चाइनीज पिस्टल शामिल हैं। 100 कारतूस और 33 मैग्जीन बरामद हुई हैं।

आरोपी ने बताया कि पंजाब जेल में बंद 'लक्की' नाम के हैंडलर ने पाकिस्तानी तस्करों से यह खेप मंगवाई थी। पाकिस्तानी ड्रोन तस्करों ने राजस्थान में रूट बदला है। नवंबर 2025 में गुजरात एटीएस ने खुलासा किया था कि ड्रोन के जरिए हथियार श्रीगंगानगर सीमा पर गिराए जाते थे, फिर हनुमानगढ़ नेटवर्क के जरिए गुजरात भेजते हैं। राजस्थान एटीएस ने श्रीगंगानगर-हनुमानगढ़ बेल्ट में निगरानी बढ़ा दी। सख्ती का असर यह हुआ कि तस्करों ने पुराना कॉरिडोर छोड़ दिया। अब पाकिस्तान से आई खेप खाजूवाला में पहुंचाई जा रही है। शराब तस्करी के नेटवर्क का इस्तेमाल कर खेप गुजरात तक पहुंचाई जाती थी, लेकिन अब नया रूट बीकानेर बनाया गया है।

प्रसिद्ध होम्योपैथी विशेषज्ञ डॉ. एस.के. जोशी को मिला राजस्थान गौरव सम्मान

जयपुर(नि.सं.)। चिकित्सा क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाओं और समाज के प्रति उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रसिद्ध होम्योपैथी विशेषज्ञ डॉ. एस. के. जोशी को राजस्थान गौरव सम्मान-2026 से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें राजस्थान के माननीय राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागड़े ने एक गरिमामय समारोह में प्रदान किया। संस्कृति संस्था के तत्वावधान में आयोजित राजस्थान गौरव सम्मान समारोह-2026 का आयोजन संस्था के अध्यक्ष पंडित सुरेश मिश्रा के नेतृत्व में किया गया। समारोह में प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली कई प्रतिष्ठित हस्तियों को सम्मानित किया गया। समारोह के दौरान राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने डॉ. एस. के. जोशी को शॉल, स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने चिकित्सा क्षेत्र में उनकी दीर्घकालीन सेवाओं और समाज के प्रति समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे चिकित्सक समाज के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। डॉ. एस. के. जोशी ने इस सम्मान के लिए संस्कृति संस्था और राज्यपाल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान उन्हें समाज सेवा और चिकित्सा के क्षेत्र में और अधिक समर्पण के साथ कार्य करने की प्रेरणा देगा। समारोह में विभिन्न क्षेत्रों की विशिष्ट हस्तियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, शिक्षाविदों और गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही।

इंटरनेशनल हैप्पी पेट्स डे | डॉग-कैट लवर्स ने सेलिब्रेट किया इंटरनेशनल हैप्पी पेट्स डे

टिकट बिक्री से जुटाए 6 लाख रुपए

एंटी रेबीज वैक्सीनेशन, रेस्क्यू और अडॉप्शन जैसी पहलों पर होंगे खर्च

जयपुर। जयपुर के वैशाली नगर स्थित जिगली पैट केयर सेंटर में रविवार को इंटरनेशनल हैप्पी पेट्स डे सेलिब्रेट किया गया। फ्रेंडशिप डे के मौके पर हुए इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में डॉग और कैट लवर्स अपने पालतू जानवरों के साथ पहुंचे। कार्यक्रम में हेल्थ चेकअप, फर्स्ट एड वर्कशॉप और कई मनोरंजक गतिविधियां आयोजित की गईं। टिकट बिक्री से जुटाए गए 6 लाख रुपए जिगली फाउंडेशन को दिए गए। इस राशि का

उपयोग समुदाय के कुत्तों के लिए एंटी रेबीज वैक्सीनेशन, डीवॉर्मिंग, रिफ्लेक्टिव कॉलर ड्राइव, रेस्क्यू ऑपरेशन और अडॉप्शन जैसी पहलों पर किया जाएगा।

15 से ज्यादा शहरों के 35 सेंटरों में हुआ आयोजन जिगली पैट केयर ने देशभर के 15 से अधिक शहरों में अपने 35 सेंटरों पर इंटरनेशनल हैप्पी पेट्स डे मनाया। इस दौरान 2500 से ज्यादा पैट्स और 3500 से अधिक पैट पैरेंट्स शामिल हुए। इस साल कार्यक्रम की थीम लाइफ इज सिंपली, अनडिनाएबली बेटर टुगेदर रखी गई। हेल्थ चेकअप के साथ फर्स्ट एड किट भी लॉन्च कार्यक्रम में

पालतू जानवरों के लिए मुफ्त हेल्थ चेकअप और वेलनेस कंसल्टेशन की सुविधा दी गई। साथ ही पैट फर्स्ट एड किट लॉन्च की गई। वैशाली नगर सेंटर में पशु चिकित्सकों की मौजूदगी में फर्स्ट एड वर्कशॉप आयोजित की गई, जिसमें पैट पैरेंट्स को इमरजेंसी के समय पालतू जानवरों की देखभाल के तरीके बताए गए।

ایران پر نئے حملے روک دینے ٹرمپ کا اعلان

سعودی کراؤن پرنس محمد بن سلمان کا امریکی صدر کو فون۔ کشیدگی سے گریز کی خواہش

آوازِ تسنیم: امریکی صدر ڈونلڈ ٹرمپ نے کہا ہے کہ وہ امریکی فورسس کو حکم دیں گے کہ وہ ایران کے خلاف نئے حملے روک دیں۔ انہوں نے دعویٰ کیا کہ مشرق وسطیٰ کے حلیف ایک ایسی معاملت پر پہنچ گئے ہیں جس کے نتیجہ میں 5 ماہ سے جاری جنگ ختم ہوجائے گی۔ انہوں نے کہا کہ جو معاملت طئے پارہی ہے اس میں آبنائے ہرمز کی فوری اور مکمل کشادگی کے علاوہ ایران کے نیوکلیئر خطرہ کا خاتمہ شامل ہے۔ ٹرمپ نے ہفتہ کی شام سوشل میڈیا پوسٹ میں یہ بات لکھی۔ انہوں نے کہا کہ خلیجی حلیفوں کی خواہش پر میں نے دنیا کے مستقبل کے فائدے اور ایک خوشحال ایران کی بقاء کے لئے اس پر آمادگی ظاہر کی ہے کہ حملے منسوخ کردئے جائیں۔ ٹرمپ سابق میں کئی مرتبہ ایران پر حملے روکنے کا اعلان کرچکے ہیں۔ 28 فروری کو امریکہ اور اسرائیل کے حملے کے بعد سے جنگ شروع ہوئی تھی۔ ایران کے وزیر دفاع نے ایکس پر کہا کہ ان کے ملک کو ٹرمپ کے اعلان پر کوئی حیرت نہیں۔ ایران، امریکہ سے لاحق ٹھوس خطرات کے مدنظر بدستور چوکنا رہے گا۔ اسی دوران ایک علاقائی عہدیدار نے شناخت ظاہر نہ کرنے کی شرط پر بتایا ہے کہ کوئی معاملت طئے نہیں پائی ہے لیکن ثالثی کی کوشش جاری ہے۔ سعودی عرب کے ولی عہد محمد بن سلمان نے ہفتہ کے دن ٹرمپ کو فون کیا تھا اور اندیشہ ظاہر کیا تھا کہ اگر امریکہ نے ایران کے ساتھ جنگ میں شدت پیدا کردی تو اس کا اثر خلیج کے عرب ممالک پر پڑے گا۔ تہران جواب میں سعودی عرب اور دیگر خلیجی ممالک کے توانائی انفراسٹرکچر کو نشانہ بنا سکتا ہے۔ یہ فون کال ٹرمپ کے سوشل میڈیا اعلان سے قبل ہوئی۔ کراؤن پرنس نے ٹرمپ سے وضاحت طلب کی کہ وہ ایران کے خلاف کیا نیا اقدام کرنے والے ہیں۔ سعودی عرب نے اس ہفتہ امریکہ کے ساتھ عراق میں ایران نواز ملیشیا کی لاجسٹک اور اسلحہ سائٹس پر حملے کئے تھے۔ کراؤن پرنس نے چہارشنبہ کے دن اپنے بھائی سعودی وزیر دفاع خالد بن سلمان کو ٹرمپ اور نائب صدر جے ڈی وینس سے علیحدہ ملاقاتوں کیلئے واشنگٹن بھیجا۔

ہم نے امریکہ سے حملے روکنے کی کوئی درخواست نہیں کی: ایران

تہران، 2 اگست (یو این آئی) ایران نے امریکی صدر ڈونلڈ ٹرمپ کے اس دعوے کو مسترد کر دیا ہے کہ تہران نے امریکہ سے نئی فوجی کارروائیاں نہ کرنے کی درخواست کی تھی۔ ایرانی حکام نے اس دعوے کو بے بنیاد قرار دیتے ہوئے کہا ہے کہ امریکہ سے اس نوعیت کی کوئی درخواست نہیں کی گئی۔ خبر رساں ادارے اے ایف پی کے مطابق ایرانی خبر رساں ایجنسی مہر نے فوجی حکام کے حوالے سے رپورٹ کیا ہے کہ صدر ٹرمپ کا بیان حقیقت پر مبنی نہیں اور اس میں کوئی صداقت نہیں۔ رپورٹ کے مطابق ایرانی فوجی حکام نے کہا کہ امریکہ سے حملے روکنے کی کوئی درخواست نہیں کی گئی اور اس حوالے سے سامنے آنے والے دعوؤں کو انہوں نے "ایک نیا جھوٹ" قرار دیا۔ ایرانی حکام کا کہنا تھا کہ ملک کی مسلح افواج مکمل طور پر چوکس ہیں اور کسی بھی ممکنہ صورتحال سے نمٹنے کے لیے ہر وقت تیار ہیں۔ انہوں نے کہا کہ ایران کی دفاعی فورسز کو ہائی الرٹ پر رکھا گیا ہے اور اگر کسی بھی قسم کی جارحیت کی گئی تو اس کا مناسب اور مؤثر جواب دیا جائے گا۔

ٹرمپ کا ایران پر دوبارہ حملے کرنے کا حکم

توانائی تنصیبات کے اہداف اور بنیادی ڈھانچے کو نشانہ بنانے پر غور۔ خطہ میں کشیدگی میں اضافہ کا امکان

آوازِ تسنیم: امریکی صدر ڈونلڈ ٹرمپ نے ایران کے خلاف فوجی حملے جاری رکھنے کا حکم دے دیا ہے، جبکہ امکان ظاہر کیا جارہا ہے کہ حملوں کا نیا مرحلہ کل اتوار تک شروع ہوسکتا ہے۔ امریکی اخبار "وال سٹریٹ جرنل" کے مطابق ٹرمپ اس نتیجے پر پہنچے ہیں کہ سفارتی راستے سے مطلوبہ نتائج حاصل نہیں ہو سکے۔ باخبر ذرائع کے مطابق امریکی حملوں کا نیا سلسلہ ہفتے کے آخر میں شروع ہوسکتا ہے اور کئی دن تک جاری رہ سکتا ہے، حالانکہ دونوں فریقوں کے درمیان مذاکرات اب بھی جاری ہیں۔ ذرائع نے بتایا کہ ٹرمپ نے اپنے معاونین کو آگاہ کیا ہے کہ تہران کے ساتھ مذاکرات کے ذریعہ کسی معاہدہ تک پہنچنے کے امکانات پر ان کا اعتماد کم ہو گیا ہے۔ انہوں نے ایرانی حکام پر الزام عائد کیا کہ وہ مذاکرات کو سنجیدگی سے نہیں لے رہے، تاہم ساتھ ہی انہوں نے اس عزم کا بھی اظہار کیا کہ ایران کو جوہری ہتھیار حاصل کرنے سے روکا جائے گا۔ یہ پیش رفت کیمپ ڈیوڈ میں ٹرمپ کی قومی سلامتی ٹیم کے ساتھ ہونے والے اجلاس کے بعد سامنے آئی، جس میں جنگ کی صورتحال اور ایران سے نمٹنے کے لیے امریکی آپشنز پر غور کیا گیا۔ رپورٹ کے مطابق ٹرمپ ایران پر فوجی دباؤ بڑھانے کے حق میں ہیں تاکہ تہران کو رعایتوں پر مجبور کیا جا سکے، تاہم اگر ایرانی قیادت اپنا موقف تبدیل کرے تو مذاکرات کا راستہ کھلا رکھا جائے گا۔ اخبار کے مطابق ٹرمپ نے ایرانی حملے کے بعد دستیاب فوجی آپشنز کا جائزہ لینے کے بعد یہ فیصلہ کیا۔ انہوں نے حملے دوبارہ شروع کرنے کی منظوری اس بنیاد پر دی کہ گزشتہ کارروائیاں مطلوبہ بازرکھنے (Deterrence) کا اثر پیدا نہیں کرسکیں۔ توانائی تنصیبات کو نشانہ بنانے کا امکانی یہ پیش رفت ایسے وقت میں سامنے آئی ہے جب ایک امریکی عہدیدار نے انکشاف کیا ہے کہ صدر ٹرمپ آئندہ دنوں میں ایران کے اندر توانائی کے اہداف اور بنیادی ڈھانچے کو نشانہ بنانے والے حملوں پر سنجیدگی سے غور کر رہے ہیں، تاہم ابھی تک ان حملوں کے لیے حتمی احکامات جاری نہیں کیے گئے۔ ان حملوں میں کئی ہفتوں بعد پہلی بار اسرائیلی شرکت بھی شامل ہوسکتی ہے، جس کے نتیجے میں ایران دوبارہ اسرائیل پر میزائل حملے شروع کر سکتا ہے۔ دوسری جانب ایرانی فورسس نے ہفتے کے روز امریکہ پر مشرق وسطیٰ میں کشیدگی بڑھانے کا الزام عائد کیا ہے۔ ایرانی فوج کے مرکزی آپریشنز روم "خاتم الانبیاء ہیڈکوارٹر" کے کمانڈر علی عبداللہی نے کہا کہ امریکہ تیزی سے خطے میں کشیدگی بڑھانے کی سمت بڑھ رہا ہے۔ ایرانی پاسداران انقلاب (سپاہ پاسداران) نے بھی اپنے حملے جاری رکھنے کا اشارہ دیا ہے، جس سے دونوں فریقوں کے درمیان جوابی کارروائیوں کا سلسلہ جاری رہنے کا امکان ہے۔ یہ صورتحال ایسے وقت میں ہے جب واشنگٹن اور تہران کے درمیان بڑھتے ہوئے عدم اعتماد کے باعث سیاسی حل کی طرف واپسی کے امکانات کم ہوتے جا رہے ہیں۔

باقر قالیباف کا جنگ میں فتح حاصل کرنے کا دعویٰ

ایرانی پارلیمانی اسپیکر باقر قالیباف نے جنگ میں فتح حاصل کرنے کا دعویٰ کر دیا۔ غیر ملکی خبر رساں ادارہ کے مطابق ایک بیان میں باقر قالیباف نے کہا ہے کہ ہم جنگ میں فتح حاصل کر چکے ہیں۔ اب ہمیں اس فتح کو مضبوط اور دستاویزی شکل دینی ہوگی۔ انہوں نے کہا ہے کہ ہمیں روشن مستقبل کی امید اور بہتر آنے والے وقت کے ویژن کے ساتھ آگے بڑھنا چاہیے۔ باقر قالیباف کا کہنا ہے کہ مضبوط ایران کے لیے قیادت میں اتحاد قائم رکھنا ضروری ہے۔ دوسری جانب امریکی صدر ڈونالڈ ٹرمپ نے کہا ہے کہ امریکہ، ایران پر بہت سخت حملے جاری رکھے گا۔ واشنگٹن کا مقصد جنگ میں فتح حاصل کرنا ہے۔ ریاست میری لینڈ میں واقع کیمپ ڈیوڈ میں کابینہ اجلاس کے بعد صحافیوں سے گفتگو کرتے ہوئے ٹرمپ نے کہا کہ ہم صرف جیتنا چاہتے ہیں، ہم بہت اچھا کر رہے ہیں، ہم اس قسم کی صورتِ حال میں جہاں تک ممکن ہو نرمی سے کام لینے کی کوشش کر رہے ہیں، لیکن ایران کو شدید نقصان پہنچ رہا ہے۔

ابھیجیت دِپکے کی طبیعت خراب

کاکروچ جنتا پارٹی (سی جے پی) کے بانی ابھیجیت دِپکے بیمار ہوگئے ہیں۔ ایک ڈاکٹر نے مہاراشٹرا کے چھترپتی سمبھاجی نگر (اورنگ آباد) میں ان کے مکان میں ان کے معائنہ کے بعد آرام کا مشورہ دیا ہے۔ ڈاکٹر نے کہا کہ ابھیجیت کا بلڈ پریشر تھوڑا کم ہے۔ انہیں اُلٹیاں بھی ہو رہی ہیں۔ آج صبح اپنے مکان کے پارکنگ ایریا میں لوگوں سے ملاقات کے دوران ابھیجیت نے بے چینی محسوس کی۔ وہ پارکنگ ایریا میں منتظر لوگوں سے ملاقات کے لئے 11:45 بجے نیچے آئے تھے لیکن بے چینی محسوس ہونے پر وہ مکان کے پچھلے حصہ میں چلے گئے جہاں انہیں الٹی ہوئی۔ میڈیا سے بات چیت کئے بغیر وہ اپنے مکان کی سیڑھیاں چڑھ کر اوپر چلے گئے۔ بعدازاں ڈاکٹرس کو بلالیا گیا۔ ابھیجیت کے باپ بھگوان دِپکے نے یہ بات بتائی۔ ڈاکٹر وشال لہانے نے ابھیجیت کا معائنہ کیا اور بعدازاں میڈیا سے بات چیت میں انہوں نے کہا کہ ابھیجیت کا بی پی تھوڑا لو (100/60) ہے۔

تمام سرحدیں بند ہونے پر بھی دہشت گرد کہاں سے آ رہے ہیں

مزدوروں کے قاتلین کی شناخت کو منظر عام لانے کی مانگ۔ فاروق عبداللہ کا بیان

سرینگر۔ 2/اگست (پی ٹی آئی) صدر نیشنل کانفرنس فاروق عبداللہ نے آج یہ مطالبہ کیا کہ کلگام میں دو مائیگریٹ مزدوروں اور اننت ناگ میں ایک ملازم پولیس کے قاتلین کی شناخت منظر عام پر لائی جائے۔ انہوں نے حکام سے یہ بھی کہا کہ دہشت گرد کہاں سے آتے ہیں۔ انہوں نے کہا کہ نظم و نسق کو عوام سے یہ کہنا چاہئے کہ کون یہ ہلاکتیں انجام دے رہا ہے۔ ہم تمام سے یہ کہا گیا ہے کہ دہشت گردوں نے انہیں ہلاک کر دیا۔ سوال یہ ہے کہ جب تمام سرحدیں بند ہیں کہاں سے یہ دہشت گرد آ رہے ہیں۔ جموں و کشمیر کے سابق چیف منسٹر نے کہا کہ لفٹننٹ گورنر کے اس دعویٰ کو آزمانے کے لئے کہ وادی میں دہشت گردی کا خاتمہ ہو گیا ہے قاتلین کو بے نقاب کرنا ضروری ہے۔ وہ ضلع اننت ناگ کے بیج بیہرا علاقہ میں نامہ نگاروں سے بات چیت کر رہے تھے۔ ہمیں اور ساری دنیا کو یہ دیکھنا ہوگا کہ یہ قاتلین کون ہیں۔ آیا دہشت گردی کا خاتمہ ہو گیا ہے؟ آپ یہ دیکھ سکتے ہیں کہ صورتحال میں کس قدر تبدیلی ہوئی ہے۔ وہ 2019 میں دفعہ 370 کی منسوخی کے بعد صورتحال کے بغیر کسی تبدیلی کے برقرار رہنے کا حوالہ دے رہے تھے۔ فاروق عبداللہ نے مرکز سے جموں و کشمیر کے لئے ریاستی درجہ کی بحالی کی بھی مانگ کی۔ نیشنل کانفرنس کے لیڈر نے بی جے پی پر مرکزی زیر انتظام علاقہ کو تباہ و برباد کر دینے کا بھی الزام لگایا جو کہ 2019 سے پہلے ایک ریاست تھا۔ پاک مقبوضہ جموں و کشمیر کی صورتحال کے بارے میں انہوں نے اس مسئلہ پر عالمی برادری کی خاموشی پر حیرت کا اظہار کیا۔ فاروق عبداللہ نے کہا کہ وہ (پاک مقبوضہ کشمیر کے عوام) ہمارے بھائی ہیں اور وہ جن حالات سے گزر رہے ہیں اس سے ہمیں تکلیف ہے۔ اقوام متحدہ کے پاس انسانی حقوق کمیشن ہے۔ انہیں صورتحال کا راست جائزہ لینے کے لئے وہاں ایک وفد روانہ کرنا چاہئے۔ عالمی خاموشی حیرت انگیز ہے۔ ہمارے اپنے ملک نے اس کے بارے میں کچھ نہیں کہا ہے۔ پاک مقبوضہ کشمیر میں علاقائی انتخابات ہو رہے ہیں، جہاں تشدد کے واقعات پیش آئے جس میں کئی لوگوں نے اپنی جان گنوا بیٹھی۔

پالگھاٹ میں شیر خاتون کو 30 میٹر تک گھسیٹ کر لے گیا

شدید زخمی خاتون دواخانہ میں فوت۔ علاقہ میں پنجرہ نصب کرنے عہدیداروں کا اعلان

پالگھاٹ (مدھیہ پردیش)۔ 2/اگست (پی ٹی آئی) مدھیہ پردیش کے ضلع پالگھاٹ میں شیر کے حملہ میں ایک خاتون فوت ہوگئی۔ عہدیداروں کے بموجب یہ واقعہ اتوار کی اولین ساعتوں میں موضع پراپور بائی گٹولا میں کنہا نیشنل پارک کے کھاپا رینج میں پیش آیا۔ دیہاتیوں کے بموجب سوگنی بائی دھوروے جو ایک جھونپڑی میں سو رہی تھی ایک شیر موضع میں جو ضلع مستقر سے تقریباً 80 کیلو میٹر کے فاصلہ پر واقع ہے داخل ہوا اور اس خاتون کو اس کے سر سے پکڑ لیا اور اسے دور لے گیا۔ خاندان نے مدد کے لئے چیخ و پکار کی جس پر مقامی لوگ ٹارچس کے ساتھ وہاں پہونچے اور شیر اس خاتون کو تقریباً 300 میٹر تک گھسیٹ کر لے گیا اور پھر اسے چھوڑ کر جنگل میں غائب ہو گیا۔ خاتون شدید زخمی ہو گئی جسے بائیہر کے ایک دواخانہ لے جایا گیا جہاں وہ زخموں سے جانبر نہ ہو سکی۔ بلاک میڈیکل آفیسر ڈاکٹر اننت نے یہ بات بتائی۔ اسسٹنٹ ڈائرکٹر سجھورا بفرزون اشیش پانڈے نے اس حادثہ کی توثیق کی اور کہا کہ تحقیقات کے بعد ایک تفصیلی رپورٹ تیار کی جائے گی۔ پولیس کا کہنا ہے کہ حادثاتی موت کا ایک کیس درج کر لیا گیا اور مزید تحقیقات جاری ہیں۔ جنگلاتی عہدیداروں نے بتایا کہ حالیہ مہینوں میں موضع میں ایسے کئی واقعات دیکھے گئے جن میں شیر اور چیتے انسانی بستیوں میں داخل ہو گئے۔ انہوں نے یہ بھی کہا کہ متاثرہ خاتون کے خاندان کو سرکاری اصولوں کے بموجب مالیاتی مدد فراہم کی جائے گی۔ محکمہ جنگلات نے کہا کہ علاقہ میں ایک پنجرہ نصب کیا جائے گا۔ پٹرولنگ میں شدت پیدا کی جائے گی۔ مقامی عوام پر زور دیا گیا کہ وہ رات کے وقت اپنے گھروں کے دروازوں کو بند رکھیں اور جنگل میں جانے سے احتراز کریں اور اپنے بچوں اور معمر افراد کو تنہا نہ چھوڑیں۔ مقامی نمائندوں نے دعویٰ کیا کہ اس خاتون کا خاندان ایسی جھونپڑی میں رہتا تھا جس کا کوئی دروازہ نہیں تھا۔ اس خاندان کو ملک کے انتہائی پسماندہ اور کمزور قبائیلی گروپس کی سماجی و معاشی ترقی سے متعلق مرکزی حکومت کی اسکیم سے کوئی فائدہ نہیں ملا۔

ایک وندے بھارت ایکسپریس اور گڈس ٹرین اتوار کو جموں-سری نگر ریل روٹ پر چناب ریل برج سے گزرتے ہوئے۔ یہ برج دنیا کا بلند ترین ریلوے آرچ برج ہے۔

وزیر اعظم مودی نے 100 ہفتوں کی انسدادِ منشیات مہم شروع کی

نوجوانوں سے تعاون کی اپیل۔ یوگا، مراقبہ اور سماجی تعاون نشہ کی لت پر قابو پانے میں مددگار

آوازِ تسنیم وزیر اعظم نریندر مودی نے اتوار کے روز 'نشہ مکت یووا فار وکست بھارت سنکلپ ابھیان' کا آغاز کیا ہے، جو منشیات کے خلاف 100 ہفتوں پر محیط ایک ملک گیر مہم ہے۔ انہوں نے ملک کے ہر شہری، بالخصوص نوجوانوں سے اپیل کی کہ وہ ایک منشیات سے پاک ہندوستان کی تعمیر اور ایک ترقی یافتہ ملک کے وژن کو پورا کرنے میں اپنا فعال کردار ادا کریں۔ ویڈیو کانفرنسنگ کے ذریعے افتتاحی تقریب سے خطاب کرتے ہوئے وزیر اعظم نے کہا کہ ترقی یافتہ ہندوستان کے ہدف کو حاصل کرنے کے لیے ایک صحت مند، پراعتماد اور بااختیار نوجوان نسل کا ہونا ضروری ہے جو منشیات کی لعنت سے دور رہے۔ پی ایم مودی نے کہا "آج جب ملک نے ایک ترقی یافتہ ہندوستان بننے کا ہدف طے کیا ہے، تو یہ لازمی ہے کہ ہمارے نوجوان جسمانی طور پر صحت مند، ذہنی طور پر مضبوط، خوداعتمادی سے بھرپور ہوں اور منشیات کی مہلک عادت سے ہمیشہ دور رہیں۔" منشیات کے استعمال کو ایک ایسا چیلنج قرار دیتے ہوئے جس سے اجتماعی طور پر نمٹا جانا چاہیے، وزیر اعظم نے اس بات پر زور دیا کہ حکومتی کوششوں کے ساتھ ساتھ سماج کی شرکت بھی اتنی ہی اہم ہے۔ انہوں نے کہا کہ یوگا، مراقبہ اور سماجی تعاون کسی بھی فرد کو لت پر قابو پانے کے لیے اندرونی طاقت فراہم کرتے ہیں۔ انہوں نے مزید کہا "آج ہمارے پاس لوگوں کو منشیات چھوڑنے میں مدد کے لیے بازآبادکاری مراکز جیسی سہولیات بھی موجود ہیں۔" پی ایم مودی نے کہا کہ ملک کی ترجیح یہ ہونی چاہیے کہ ہر نوجوان کو نشے کے جال میں پھنسنے سے بچایا جائے، جبکہ اس لت سے متاثرہ افراد کے ساتھ ہمدردی اور مدد کا رویہ رکھا جائے۔ وزیر اعظم نے کہا "ہمیں ہر نوجوان کو نشے کی دلدل میں پھنسنے سے بچانا ہوگا۔ لیکن اگر بدقسمتی سے کوئی نوجوان منشیات کا شکار ہو چکا ہے، تو اس کا مطلب یہ نہیں کہ اس کے لیے تمام دروازے بند ہو گئے ہیں۔" انہوں نے خاندانوں پر زور دیا کہ وہ سماجی وقار اور عزت کے خوف سے منشیات کے استعمال کے معاملات کو نہ چھپائیں، بلکہ اس کے بجائے بروقت طبی مدد حاصل کریں۔ پی ایم مودی نے کہا، "اگر خاندان کا کوئی بچہ منشیات کی لت کا شکار ہو گیا ہے، تو ہمیں سماجی ساکھ کے نام پر اس حقیقت کو کبھی نہیں چھپانا چاہیے۔ جو مدد درکار ہے وہ حاصل کریں۔ طبی امداد لیں اور اپنے بچے کو اس لت سے چھٹکارا دلانے کے لیے ہر ممکن کوشش کریں۔" وزیر اعظم نے خاندانوں کے اندر کھلی گفتگو کی اہمیت پر بھی روشنی ڈالی اور کہا کہ والدین کو ایسا ماحول بنانا چاہیے جہاں بچے منشیات کے استعمال کی طرف مائل ہونے سے پہلے اپنے مسائل پر کھل کر بات کر سکیں۔ انہوں نے کہا، "ہمیں اپنے خاندانوں میں بچوں کے ساتھ کھلی گفتگو کی ثقافت کو فروغ دینا چاہیے تاکہ اس سے پہلے کہ وہ کسی ایسے برے چکر میں پھنسیں، ہم ان کا ہاتھ تھام سکیں۔" تعلیمی برادری سے ایک خصوصی اپیل کرتے ہوئے، پی ایم مودی نے پروفیسرز اور تعلیمی اداروں سے مطالبہ کیا کہ وہ منشیات کے خلاف بیداری کو کیمپس کی زندگی کا ایک لازمی حصہ بنائیں۔ انہوں نے کہا، "میں اپنے کالجوں اور یونیورسٹیوں کے پروفیسرس سے بھی ایک اپیل کرنا چاہتا ہوں۔ نصاب پڑھانے کے ساتھ ساتھ طلبہ سے منشیات کے خطرات پر بات کریں۔ اپنے کیمپس میں منشیات کے استعمال کے خلاف ایک تحریک شروع کریں۔ آپ کی کوششیں نمایاں نتائج لا سکتی ہیں۔" وزیر اعظم نے ہر شہری، خاص طور پر نوجوانوں پر زور دیا کہ وہ اس تحریک میں شامل ہوں اور اسے ایک عوامی مہم قرار دیا جس کا مقصد پائیدار سماجی تبدیلی لانا ہے۔ اس آغاز کے ساتھ ہی منشیات کے خلاف 100 ہفتوں کی ملک گیر 'جن بھاگیداری' مہم کا آغاز ہو گیا ہے، جس کے تحت ملک بھر میں ہر اتوار کو بیداری اور سماجی شمولیت کی سرگرمیاں منعقد کی جائیں گی۔ اس اقدام کا مقصد نوجوانوں کو منشیات سے دور رہنے کی ترغیب دینا ہے اور ساتھ ہی انہیں اپنے معاشرے میں مثبت سماجی تبدیلی کا سفیر بننے کے لیے حوصلہ افزائی کرنا ہے۔ حکومت کے مطابق، اس مہم میں سرگرمیوں کی ایک بڑی جماعت شامل ہوگی، جس میں کھیلوں کے مقابلے، واکنگ میراتھن، مراقبہ کے سیشن، ثقافتی پروگرام، بیداری مہمات، نکڑ ناٹک، بحث و مباحثے کے فورمز، آرٹ کے مقابلے اور کمیونٹی آؤٹ ریچ اقدامات شامل ہیں، جنہیں منشیات سے پاک معاشرے کو فروغ دینے کے لیے تیار کیا گیا ہے۔ اس اقدام کا مقصد تعلیمی اداروں، نوجوانوں کی تنظیموں، سول سوسائٹی کے گروپوں، صنعتی اداروں اور روحانی تنظیموں کو ایک مشترکہ پلیٹ فارم پر لا کر کمیونٹی کی شرکت کو مضبوط بنانا ہے تاکہ منشیات کے استعمال کے خلاف ایک پائیدار ملک گیر تحریک پیدا کی جا سکے۔ اس افتتاحی پروگرام میں ملک بھر کے 10,000 سے زیادہ مقامات سے نوجوانوں نے شرکت کی۔ 'مائی بھارت' اور نیشنل سروس اسکیم (این ایس ایس) کے رضاکاروں، یوتھ کلبوں، اسکولوں، کالجوں، یونیورسٹیوں، غیر سرکاری تنظیموں، صنعتی تنظیموں کے یوتھ ونگز اور 125 سے زیادہ پارٹنر روحانی تنظیموں نے اس تقریب میں ورچوئل طور پر شرکت کی، جو کہ ہندوستان کے نوجوانوں کو منشیات کے خطرات سے بچانے کے لیے حکومت کی جانب سے بیان کردہ ایک ملک گیر عوامی تحریک کا آغاز ہے۔

کرناٹک کانسٹیبل بھرتی امتحان مذہبی لباس پر پابندی نہیں

کرناٹک کے وزیر داخلہ پرینک کھرگے نے ہفتہ کے دن وضاحت کی کہ پولیس کانسٹیبل بھرتی امتحان کے دوران مذہبی لباس پہننے پر کوئی پابندی نہیں ہے۔ انہوں نے امیدواروں سے کہا کہ وہ گمراہ نہ ہوں۔ کانگریس حکومت نے بھرتی کے امتحان کو منصفانہ، صاف و شفاف اور منظّم طریقہ سے منعقد کرنے کی جامع تیاریاں کی ہیں۔ وزیر داخلہ نے کہا کہ امیدواروں کے ہال ٹکٹ پر واضح کردیا گیا ہے کہ کس چیز کی اجازت ہے اور کونسی چیز ممنوع ہے۔ اگر کوئی مذہبی لباس پہن کر امتحانی مرکز آنا چاہتا ہے تو اسے اس کی اجازت ہے۔ امتحان شروع ہونے سے ڈھائی گھنٹہ پہلے مرکز پر پہنچنا لازمی ہے۔

E20 کے خلاف مارچ سے قبل مجھے نظر بند کر دیا گیا

دہلی پولیس نے کوئی تحریری حکم نہیں دکھایا: تحسین پونا والا

آوازِ تسنیم

جہد کار تحسین پونا والا نے ہفتہ کے دن الزام عائد کیا کہ بی جے پی زیر قیادت مرکزی حکومت کی E20 فیول پالیسی کے خلاف ان کے مجوزہ مارچ اور بھوک ہڑتال سے قبل دہلی پولیس نے انہیں گریٹر کیلاش میں کسی تحریری حکم کے بغیر گھر پر نظر بند کر دیا۔ تحسین پونا والا نے 27 جولائی کو اعلان کیا تھا کہ وہ اے پی جے عبدالکلام مارگ تا گاندھی اسمرتی 30 جنوری مارگ تک جہاں مہاتما گاندھی کو شہید کیا گیا تھا، تنہا مارچ کریں گے اور ایک روزہ بھوک ہڑتال کریں گے۔ ایکس اکاؤنٹ پر کئی ویڈیوز شیئر کرتے ہوئے انہوں نے دعویٰ کیا کہ جمعہ کی صبح 9:30 بجے کے آس پاس ان کے مارچ کرنے سے ڈیڑھ گھنٹہ قبل دہلی پولیس کے کئی سینئر عہدیدار جن میں خاتون عہدیدار بھی شامل تھیں، ان کے مکان پر پہنچ گئے اور انہیں باہر نکلنے نہیں دیا۔ پولیس نے نہ تو کوئی آرڈر دکھایا اور نہ ہی ان کی نظر بندی کے کوئی کاغذات دکھائے۔ عہدیداروں نے زبانی اتنا کہا کہ انہیں گھر سے نکلنے سے اس لئے روکا جا رہا ہے کہ مارچ میں ہزاروں لوگوں کی شرکت متوقع ہے۔ ایک ویڈیو میں تحسین پونا والا کو ایک پولیس عہدیدار سے یہ سوال کرتے سنا جا سکتا ہے کہ کسی تحریری حکم کے بغیر انہیں زیر حراست کیسے رکھا جا رہا ہے۔ کوئی کاغذات نہیں، مجھے نظر بند کر دیا گیا۔ ''آزادی کے 15 دن پہلے آپ مجھے ڈیٹین کر رہے ہیں''۔ پولیس عہدیدار نے جواب دیا کہ مجوزہ مارچ کے نتیجہ میں نظم و ضبط کا مسئلہ پیدا ہو سکتا ہے۔ تحسین پونا والا کو پولیس سے تعاون کرنا چاہئے۔ ایکس پر پوسٹ میں جہد کار نے الزام عائد کیا کہ ان کے فلیٹ کے باہر موجود صحافیوں نے انہیں بتایا کہ انٹرنیٹ کام نہیں کر رہا ہے کیونکہ ان کے مکان کے قریب جامر لگا دیا گیا ہے۔ تحسین پونا والا نے اعلان کیا تھا کہ وہ جمعہ 31 جولائی کو سولو مارچ کریں گے کیونکہ پولیس نے ان کے مجوزہ ٹیم بھارت گاڑی مارچ کی اجازت نہیں دی۔ ان کا انسٹاگرام اکاؤنٹ معطل کر دیا گیا اور چند گھنٹے بعد اسے بحال کر دیا گیا۔ دہلی پولیس نے انہیں میڈیا سے بات چیت کرنے سے روکا اور دھمکی دی کہ احتجاج میں حصہ لینے والوں کو گرفتار کر لیا جائے گا اور ان کی گاڑیاں ضبط کر لی جائیں گی۔

جہد کار نے کہا کہ اکیلے مارچ کرنا اور خاموشی سے مون برت رکھنا خلافِ قانون نہیں۔ میں اُس جگہ پر بیٹھ کر ایک روزہ بھوک ہڑتال کرنا چاہتا تھا جہاں باپو کی ہتھیا ہوئی تھی۔ تحسین پونا والا E20 فیول پالیسی کے خلاف مہم چلا رہے ہیں۔ انہوں نے اس مسئلہ پر مرکزی وزیر ٹرانسپورٹ نتن گڈکری کو نشانہ تنقید بنایا ہے۔

ان کا مطالبہ ہے کہ صارفین کو E5 اور E10 پٹرول کے ساتھ روایتی پٹرول خریدنے کا آپشن ملنا چاہئے۔ ٹیم بھارت کا مطالبہ ہے کہ پٹرول پمپس پر E5 اور E10 پٹرول کے ساتھ 100 فیصد پٹرول بھی فروخت ہوتا رہے۔ گاڑیاں چلانے والوں کو اپنی گاڑیوں کے لئے موزوں فیول منتخب کرنے کا اختیار ہونا چاہئے۔ مرکز نے 20 فیصد ایتھنال اور 80 فیصد پٹرول کی آمیزش والا جو E20 فیول فروخت کرنا شروع کیا ہے اس پر اپوزیشن قائدین اور صارفین گروپس نے سخت تنقید کی ہے۔ پرانی گاڑیوں کے مالکین کا دعویٰ ہے کہ نئے پٹرول سے مائلیج گھٹ گیا ہے اور گاڑیاں خراب ہو رہی ہیں۔

☆☆☆

بی جے پی تحریک کو فرقہ وارانہ رنگ دینے کی کوشش

آوازِ تسنیم: آل انڈیا اسٹوڈنٹس ایسوسی ایشن (ایسا) کی قومی صدر اور طلبہ رہنما نہا بورا نے الزام عائد کیا ہے کہ بھارتیہ جنتا پارٹی (بی جے پی) نیٹ-یو جی پرچہ لیک کے خلاف کاکروچ جنتا پارٹی (سی جے پی) کی قیادت میں چلائی گئی تحریک کو فرقہ وارانہ رنگ دینے کی کوشش کر رہی ہے۔ ان کا کہنا ہے کہ بی جے پی نے اپنے سرکاری سوشل میڈیا پلیٹ فارمز پر احتجاج میں شریک مسلم مظاہرین کو چن چن کر نمایاں کیا ہے۔ نہا بورا کا یہ بیان ایسے وقت سامنے آیا ہے جب مرکزی وزیر تعلیم دھرمیندر پردھان کے استعفیٰ کے بعد سی جے پی نے اپنا احتجاج ختم کرنے کا اعلان کیا تھا۔ تاہم، مظاہرین کو عام معافی دیے جانے کے وعدے پر اب بھی تنازع برقرار ہے۔ سی جے پی کا دعویٰ ہے کہ دہلی پولیس نے کسی بھی مقدمہ کو واپس نہیں لیا، مغربی بنگال میں حال ہی میں نافذ کیے گئے انسداد غنڈہ قانون کے تحت گرفتاریاں جاری ہیں، جبکہ سپریم کورٹ کے 28 جولائی کے حکم میں موجودہ ایف آئی آر برقرار رکھنے اور زیر حراست کم عمر افراد کو راحت دینے کے بعد تنظیم نے حکومت پر "اعتماد شکنی" کا الزام لگایا ہے۔ آلٹ نیوز سے گفتگو کرتے ہوئے نہا بورا نے کہا کہ اس تحریک میں مختلف مذاہب اور برادریوں سے تعلق رکھنے والے افراد نے متحد ہو کر حصہ لیا، اور یہی اتحاد برسر اقتدار جماعت کے لیے باعث تشویش بن گیا۔ انہوں نے کہا، "حکومت کو اسی بات کا خوف ہے کیونکہ وہ تقسیم کی سیاست پر یقین رکھتی ہے۔ وہ اسی وقت تک اقتدار میں رہ سکتی ہے جب تک ہندوستانی عوام منقسم رہیں۔ یہ احتجاج ان کے لیے بڑا دھچکا تھا، صرف اس لیے نہیں کہ ایک مرکزی وزیر کو استعفیٰ دینا پڑا بلکہ اس لیے بھی کہ اس نے ان کی سیاست کو چیلنج کیا۔ طلبہ تحریک میں ہم سب متحد ہیں۔" جواہر لعل نہرو یونیورسٹی میں پی ایچ ڈی کی طالبہ اور اس تحریک کی نمایاں قائدین میں شامل نہا بورا نے کہا کہ بی جے پی کی جانب سے تحریک کو فرقہ وارانہ رنگ دینے کی کوشش کوئی نئی بات نہیں ہے۔

मिडिल ईस्ट में बड़ी जंग की आहट 10 देशों में US दूतावासों ने अमेरिकियों को दी निकलने की चेतावनी

आवाज़ ए तसनीम

मिडिल ईस्ट के लगभग 10 देशों में ऽ दूतावासों ने शनिवार को अमेरिकी नागरिकों को सावधानी बरतने और वहां से निकलने पर विचार करने या तनाव बढ़ने पर निकलने के लिए तैयार रहने की चेतावनी दी. शिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, इजरायल, जॉर्डन, इराक, मिस्र, बहरीन, संयुक्त अरब अमीरात, कतर और सऊदी अरब सहित कई देशों में US दूतावासों ने अपनी वेबसाइटों पर इसी तरह की सुरक्षा चेतावनी जारी की. चेतावनी में कहा गया, ÷मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के कारण सुरक्षा हालात जटिल बने हुए हैं और अचानक तनाव बढ़ने की आशंका है.÷ इसमें यह भी कहा गया कि इस क्षेत्र में मौजूद अमेरिकियों को वहां से निकलने पर विचार करना चाहिए या तनाव बढ़ने पर निकलने के लिए तैयार रहना चाहिए. दूतावासों ने मिडिल ईस्ट में मौजूद ऽ नागरिकों को सावधानी और सतर्कता बरतने तथा उड़ानें रद्द होने, समय-समय पर एयरस्पेस बंद होने और यात्रा में संभावित रुकावटों के लिए तैयार रहने की सलाह दी. उन्होंने इस क्षेत्र के बाहर मौजूद ऽ नागरिकों को भी ÷मिडिल ईस्ट की यात्रा करने या वहां से होकर गुजरने के बारे में गंभीरता से पुनर्विचार करने÷ की सलाह दी.

इससे पहले ईरान ने दी थी धमकी

इससे पहले शनिवार को ईरान की अर्ध-सरकारी तस्नीम समाचार एजेंसी ने खबर दी कि ईरान ने अपने इंफ्रास्ट्रक्चर पर संभावित हमलों का जवाब देने के लिए एक व्यापक योजना तैयार की है.तस्नीम ने एक सीनियर सुरक्षा अधिकारी के हवाले से कहा कि ईरान ने अपने इंफ्रास्ट्रक्चर पर ऽ और इजरायल के संभावित हमलों के बारे में ऽ मीडिया के हालिया दावों के जवाब में एक व्यापक योजना तैयार की है. खबरों के मुताबिक, इस योजना में मिडिल ईस्ट में इजरायल के महत्वपूर्ण इंफ्रास्ट्रक्चर और ऽ के एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाना शामिल है.

28 फरवरी को ईरान पर हुआ था हमला गौरतलब है कि 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल ने तेहरान और ईरान के दूसरे शहरों पर संयुक्त हमले किए।

US-ईरान के बीच शांति की बात, लेकिन अपने ही मुल्क में गोलीबारी! पाकिस्तान के दोहरे रवैये पर उठे सवाल

आवाज़ ए तसनीम

पाकिस्तान का विदेशों में खुद को दुश्मनों के बीच मध्यस्थ के तौर पर पेश करना और साथ ही अपने देश में कारोबारियों और वकीलों को ÷दहशतगर्द÷ करार देना और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में शांतिपूर्ण नागरिकों पर गोली चलाना, ये दो अलग-अलग नीतियां नहीं हैं, बल्कि एक ही नीति है जिसे दो अलग-अलग तरह के लोगों (ऑडियंस) के लिए बनाया गया है. एक रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान में घरेलू जनता की कोई अहमियत नहीं है; यहाँ जो कोई भी आवाज़ उठाता है या धांधली वाले सिस्टम पर सवाल उठाता है, उसे पाकिस्तानी फौज के चीफ आसिम मुनीर के नेतृत्व में सैन्य प्रतिष्ठान की हिंसा का सामना करना पड़ता है.यूरोपियन टाइम्स की रिपोर्ट में कहा गया है, पाकिस्तान बैनुल-अकवामी मंच पर खुद को बातचीत और शांति का समर्थक बताता है, जबकि देश के अंदर उसके काम हिंसा से भरे होते हैं. फील्ड मार्शल सैयद आसिम मुनीर ने अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थता करके विदेशों में अपनी पहचान बनाई है. इसी दौरान देश के अंदर प्रतिबंधों के आदेश जारी किए गए, संचार व्यवस्था ठप की गई और नागरिकों को हिंसा का निशाना बनाया गया. लाठी और गोली से सड़क तो खाली कराई जा सकती है, लेकिन पाकिस्तान में जनता की शिकायतों को खत्म नहीं किया जा सकता.रिपोर्ट में कहा गया है, पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में प्रदर्शनकारियों के खिलाफ बेरहमी से बल प्रयोग की भयावह खबरें आ रही हैं. ये नवंबर 2024 में पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के विरोध प्रदर्शनों के दौरान सुरक्षा बलों के जरिए की गई हिंसा और गोलीबारी जैसी ही हैं. बाहर शांतिदूत बनने और घर में खुली तानाशाही चलाने का यह दोहरापन सैन्य प्रतिष्ठान के लिए लंबे समय तक नहीं चल पाएगा.÷ रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान का ÷दोहरापन÷ तब सामने आया जब उसके नेता वाशिंगटन और तेहरान के बीच मध्यस्थता करने की कोशिश कर रहे थे, जबकि PoJK में नागरिकों के साथ बातचीत करने से इनकार कर रहे थे और हिंसा का सहारा ले रहे थे.एक टीवी चैनल से बात करते हुए, पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा कि वह प्रदर्शनकारियों को भारत के ÷समान श्रेणी में रखते हैं और बातचीत की संभावना को खारिज करते हुए।

नमाज के बाद बरसी गोलियां, पाकिस्तान में मजहबी रहनुमा के कत्ल से सनसनी

आवाज़ ए तसनीम

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के लोअर दक्षिण वजीरिस्तान जिले में जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम-फजल (जेयूआई-एफ) से जुड़े मौलाना मोहम्मद इस्माइल की नामालूम हमलावरों ने गोली मारकर कत्ल कर दिया. पाकिस्तानी अंग्रेजी दैनिक डॉन ने पुलिस के हवाले से बताया कि, यह घटना बिरमल तहसील के आजम वरसक इलाके में शुक्रवार (31 जुलाई) की नमाज के बाद हुई. जिला पुलिस अधिकारी मोहम्मद ताहिर ने बताया कि मोटरसाइकिल सवार नामालूम हमलावरों ने मौलाना इस्माइल पर अंधाधुंध गोलियां चलाई, जिससे मौलाना की मौके पर ही मौत हो गई. वारदात के बाद हमलावर फरार हो गएजिला पुलिस अधिकारी मोहम्मद ताहिर ने बताया कि घटना का प्रारंभिक मामला दर्ज कर लिया गया है और कत्ल की जांच शुरू कर दी गई है. पुलिस सभी संभावित पहलुओं से मामले की जांच कर रही है. पुलिस ऑफिसर्स और मकामी कबायली बुजुर्गों के मुताबिक मौलाना मोहम्मद इस्माइल कझा पंगा के रहने वाले थे और क्षेत्र के एक मदरसे में टीचर के तौर पर सेवाएं दे रहे थे. गौरतलब है कि पाकिस्तान में हाल के महीनों में जेयूआई-एफ से जुड़े नेताओं और धार्मिक हस्तियों पर हमलों की कई घटनाएं सामने आई हैं. इसी साल मई में फेमस मजहबी रहनुमा और जेयूआई-एफ के साबिक विधायक मौलाना मोहम्मद इदरीस की चारसादा में नामालूम हमलावरों ने गोली मारकर कत्ल कर दिया था. ये कत्ल इलाके के लिए किसी बड़े झटके से कम नहीं थी, क्योंकि इदरीस चारसादा जिला हेड थे और पार्टी प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान के करीबी सहयोगी थे. मौलाना इदरीस जब दारुल उलूम उत्मानजई में खुतबा (व्याख्यान) देने जा रहे थे, तभी मोटरसाइकिल सवार हमलावरों ने उनकी गाड़ी पर अंधाधुंध फायरिंग कर दिया था. बाद में बेहद गंभीर हालात में उन्हें अस्पताल ले जाया गया जहां उन्होंने दम तोड़ दिया था. वहीं, जनवरी में दक्षिण वजीरिस्तान के वाना बाजार क्षेत्र में एक मदरसे के निकट हुए बम विस्फोट में गंभीर रूप से घायल जेयूआई-एफ नेता मौलाना सुल्तान मोहम्मद वजीर की भी बाद में मौत हो गई थी।

ईरान पर बड़े हमले की तैयारी में अमेरिका? बेचैन सऊदी अरब, MBS ने ट्रंप को मिलाया फोन

आवाज़ ए तसनीम

मिडिल ईस्ट में पिछले चार महीनों से तनाव बना हुआ है. अमेरिका और ईरान के बीच जबरदस्त टकराव चल रहा है. ईरान अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बना रहा है और उन्हें भारी नुकसान पहुंचा रहा है. हाल ही में ईरान ने एक हमला किया जिसमें दो अमेरिकी सैनिक मारे गए. इसके जवाब में अमेरिका ने पलटवार करते हुए तेहरान पर मिसाइलें और गोले बरसाए. इस तनावपूर्ण माहौल के बीच ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य की नाकेबंदी कर दी है, जिससे भारी अफरा-तफरी मच गई है और तेल और गैस की भारी किल्लत हो गई है. इस बीच, अमेरिका ने एक बार फिर ईरान पर बड़े हमले की योजना बनाई है. अमेरिका के इस कदम से सऊदी अरब और कई दूसरे मुस्लिम देश बेचैन हो गए हैं. सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को फोन किया और उनसे ईरान पर बड़े पैमाने पर हमला न करने की गुजारिश की है. अमेरिका के दो अधिकारियों और फ़ोन कॉल की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने इस बातचीत की पुष्टि की है. सूत्र ने को बताया, सऊदी अरब ने अमेरिका की इस योजना को लेकर गंभीर चिंता जताई है और पूरी योजना के बारे में स्पष्टीकरण मांगा है.

जॉर्डन पर हमले के बाद दोनों देशों के बीच तनाव

दरअसल, जॉर्डन में अमेरिकी मिलिट्री बेस पर ईरान के मिसाइल हमले और होर्मुज में शिपिंग में रुकावट के जवाब में ट्रंप बहुत सख्त रुख अपना रहे हैं. वह आने वाले दिनों में ईरान की एनर्जी सुविधाओं पर बड़े हमले करने पर विचार कर रहे हैं. इस बातचीत की जानकारी रखने वाले एक और सूत्र ने बताया कि क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने ट्रंप से हमलों को रोकने की अपील की है. हालांकि, व्हाइट हाउस और वाशिंगटन में सऊदी दूतावास, दोनों ने ही इस मामले पर कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है.

ईरान ने दिया पलटवार की धमकी

इससे पहले, बुधवार को ट्रंप ने सऊदी अरब के रक्षा मंत्री प्रिंस खालिद बिन सलमान से मुलाकात की थी. जराए के मुताबिक, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के साथ बैठक के दौरान सऊदी रक्षा मंत्री ने कहा कि उनका देश ईरान के साथ मुद्दे को सुलझाने और तनाव कम करने के पक्ष में है. वहीं, ईरान ने धमकी दी है कि अगर अमेरिका हमला करता है, तो वह इजरायल और खाड़ी देशों में एनर्जी और इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़े ठिकानों पर हमला करेगा. ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने शनिवार को सऊदी अरब और तुर्की के विदेश मंत्रियों से बात की. अपने टेलीग्राम चैनल पर जारी एक बयान में अराघची ने सऊदी विदेश मंत्री से कहा।

ईरान की चेतावनी के बाद पीछे हटे ट्रंप? अमेरिका ने किया हमले रोकने का ऐलान, डील का भी किया दावा

आवाज़ ए तसनीम

ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अरागची ने अमेरिका को कोई भी बड़ा कदम उठाने के खिलाफ चेतावनी दी है. ईरानी विदेश मंत्री ने कहा कि इसके लिए जिम्मेदार लोगों को गंभीर नतीजों का सामना करना पड़ेगा. मेहर की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अरागची ने पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर, तुर्की के विदेश मंत्री हकन फिदान और सऊदी विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान अल सऊद के साथ अलग-अलग टेलीफोन पर बातचीत के दौरान ये बातें कहीं. इन बातचीत के दौरान उन्होंने क्षेत्र में हाल की घटनाओं पर अपने विचार साझा किए.शिन्हुआ समाचार एजेंसी की एक रिपोर्ट के मुताबिक, अरागची ने मुनीर और फिदान से कहा कि ईरान अपनी राष्ट्रीय संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा के लिए पूरी तरह तैयार है और किसी भी हमले का कड़ा जवाब देगा. अपने सऊदी समकक्ष के साथ बातचीत में अरागची ने चेतावनी दी कि अमेरिका या इजरायल द्वारा की गई किसी भी शत्रुतापूर्ण कार्रवाई और ऐसी गतिविधियों में किसी भी क्षेत्रीय सहयोग का ईरानी सेना द्वारा कड़ा और उचित जवाब दिया जाएगा. ईरान के इस चेतावनी के बाद ट्रंप ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म ट्रुथ सोशल पर यह घोषणा की गई कि ईरान पर हमले फ़िलहाल रोक दिए गए हैं. डोनाल्ड ट्रंप ने यह भी दावा किया है कि समझौते का खाका तैयार कर लिया गया है.

ट्रंप ने क्या कहा?

ट्रंप ने कहा, ÷दूसरे विश्व युद्ध के बाद से अमेरिका के पास सबसे बड़ी सैन्य ताकत है और वह ईरान के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए तैयार है. हालांकि, ईरान और मध्य पूर्व के कुछ अन्य देशों ने हमले को रोकने का अनुरोध किया, क्योंकि समझौते का खाका तैयार हो चुका है. अमेरिकी राष्ट्रपति के मुताबिक, प्रस्तावित समझौते के तहत होर्मुज को तुरंत, पूरी तरह और बिना किसी रुकावट के खोलना ज़रूरी होगा. इसके अलावा, इसमें ईरान के परमाणु कार्यक्रम से पैदा होने वाले खतरे को खत्म करना भी शामिल होगा. ट्रंप ने कहा, मैंने दुनिया के भविष्य के साथ-साथ ईरान की स्थिरता और समृद्धि को ध्यान में रखते हुए हमले को रद्द करने का फैसला किया. ट्रंप ने यह भी बताया कि इज़राइल इस फैसले का समर्थन करता है. ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में, उन्होंने सभी पक्षों से समझौते को जल्द से जल्द अंतिम रूप देने का आग्रह किया.

क्या है पूरा मामला

गौरतलब है कि दोनों देशों ने हाल ही में हमले रोक दिए थे, लेकिन कुछ ही दिनों बाद फिर से दुश्मनी शुरू हो गई।दुश्मनी रुकने से पहले अमेरिका ने ईरानी ठिकानों पर कई हमले किए थे. अमेरिका ने कहा कि ये हमले होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों पर ईरानी हमलों के जवाब में किए गए थे और इनका मकसद व्यावसायिक जहाजों के लिए खतरा पैदा करने की ईरान की क्षमता को कम करना था. इससे पहले, अरागची ने ब्रिटेन को ईरान पर हमले करने में अमेरिका के साथ किसी भी तरह के सैन्य सहयोग के खिलाफ चेतावनी दी थी. ईरानी विदेश मंत्रालय ने कहा कि अरागची ने शुक्रवार को ब्रिटिश विदेश सचिव एड मिलिबैंड के साथ टेलीफोन पर बातचीत की. बातचीत के दौरान, उन्होंने जोर देकर कहा कि हमलावरों के साथ किसी भी तरह का सहयोग भले ही वह मौजूदा रक्षा समझौतों के तहत हो बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

बांग्लादेश HC से चिन्मय दास को बड़ी राहत; कत्ल-तोड़फोड़-सरकारी काम में रुकावट के दो मामलों में मिली जमानत

आवाज़ ए तसनीम

बांग्लादेश HC से चिन्मय दास को बड़ी राहत; कत्ल-तोड़फोड़-सरकारी काम में रुकावट के दो मामलों में मिली जमानतबांग्लादेश में हिंदू समुदाय के बड़े चेहरों में शामिल चिन्मय कृष्ण दास को अदालत से बड़ी राहत मिली है. बांग्लादेश हाईकोर्ट ने इतवार (2 अगस्त) को उनके खिलाफ दर्ज चार मामलों में से दो मामलों में जमानत मंजूर को मंजूरी दे दी है. अदालत के इस फैसले के बाद उनके समर्थकों में राहत की उम्मीद जगी है. वहीं, बाकी दो मामलों में जमानत अर्जियों पर सुनवाई के लिए 16 अगस्त की तारीख तय की गई है.चिन्मय कृष्ण दास के वकील अपूर्व कुमार भट्टाचार्जी ने न्यूज एजेंसी एएनआई से फोन पर बातचीत में बताया कि बांग्लादेश हाईकोर्ट की दो जजों वाली बेंच ने दो मामलों में जमानत का हुक्म जारी किया है. उन्होंने बताया कि इन मामलों में कत्ल की कोशिश, तोड़फोड़, सरकारी काम में रुकावट डालने और इससे जुड़े दीगर इल्जाम शामिल हैं.

चिन्मय दास के खिलाफ दो मामलों की सुनवाई 16 अगस्त को

जमानत देने वाली हाईकोर्ट की बेंच में जस्टिस केएम जाहिद सरवर और जस्टिस शेख अबू ताहिर शामिल थे. अदालत ने जहां दो मामलों में चिन्मय कृष्ण दास को राहत दी, वहीं बाकी दो मामलों में दाखिल जमानत अर्जियों पर सुनवाई के लिए 16 अगस्त की तारीख मुकर्रर की है. चिन्मय कृष्ण दास को 25 नवंबर 2024 को ढाका हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया गया था. वह पहले इस्कॉन के नेता और बांग्लादेश सम्मिलित सनातनी जागरण जोटे के प्रवक्ता रह चुके हैं. उन पर बांग्लादेश के कौमी झंडे का तौहीन करने का इल्जाम लगाया गया है. उनकी गिरफ्तारी के बाद बांग्लादेश में एहतेजाजी मुजाहिरा शुरू हो गया था. इन मुजाहिरों के दौरान 27 नवंबर को चटगांव अदालत की इमारत के बाहर उनके समर्थकों की पुलिस इंतजामिया और सिक्योरिटी एजेंसियों के बीच हिंसक झड़प भी हुई थी.

चिन्मय दास कर रहे हैं अक्लियती तबके के लिए अहम कानून बनाने की मांग

कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि चिन्मय कृष्ण दास बांग्लादेश में हिंदू यानी सनातनी समुदाय के अधिकारों को लेकर लगातार आवाज उठाते रहे हैं. वह अक्लियती तबके के तहफ्फुज के लिए कई अहम सुधारों की मांग करते रहे हैं. इनमें अक्लियती तहफ्फुज कानून बनाने, अक्लियतों पर होने वाले जुल्म के मामलों की तेज सुनवाई के लिए स्पेशल कोर्ट बनाने और अक्लियती मामलों के लिए अलग वजारत के कयाम की मांग शामिल है.
बांग्लादेश के हिंदू समुदाय के कई लोग लंबे समय से चिन्मय कृष्ण दास की बिना शर्त रिहाई की मांग करते रहे हैं. अब हाईकोर्ट से दो मामलों में मिली जमानत को उनके समर्थक एक अहम कानूनी राहत के तौर पर देख रहे हैं।

बांग्लादेश में जमात-ए-इस्लामी और उसके छात्र संगठन, आतंकवादी संगठन घोषित

आवाज़ ए तसनीम

ढाका। बांग्लादेश में तारिक रहमान से भी देश के नौजवान नाराज़ हैं, और उनके खिलाफ सड़कों पर उतर चुके हैं. देशभर में छात्रों के बढ़ते विरोध-प्रदर्शनों को दबाने के लिए सरकार ने जमात-ए-इस्लामी और उसकी स्टूडेंट विंग, इस्लामी छात्र शिबिर की राजनीतिक गतिविधियों पर बैन लगा दिया है. तारिक रहमान सरकार ने इस संबंध में एक नोटिफिकेशन जारी किया है. इससे पहले, इस संगठन से जुड़े नाहिद इस्लाम और छात्र आंदोलन के दूसरे कोऑर्डिनेटर को रिहा कर दिए गया था. बांग्लादेश ने गुजिश्ता गुरुवार को जमात-ए-इस्लामी पार्टी, उसकी स्टूडेंट विंग और दीगर इदारों पर उग्रवादी और आतंकवादी संगठन के तौर पर बैन लगा दिया है. गौरतलब है कि इन तंजीमों पर ये बैन कई हफ्तों तक चले हिंसक विरोध-प्रदर्शनों के बाद लिया गया है. बांग्लादेश में हफ्तों तक चले हिंसक विरोध-प्रदर्शन में लगभग 200 से ज्यादा लोग मारे गए थे, और हजारों लोग ज़ख्मी हुए थे. द डेली स्टार के मुताबिक, 16 जुलाई से 21 जुलाई तक मुल्कगीर सतह पर फैली इस हिंसा की वजह से हुई मौतों और नुकसान की जांच के लिए हाई कोर्ट के तीन जजों का एक कमीशन गठित किया गया था. इस बीच, एंटी-डिस्क्रिमिनेशन स्टूडेंट मूवमेंट ने ऐलान किया है कि वह 2 अगस्त को प्रार्थना सभा के आयोजन करेगा और स्टूडेंट्स और आम लोगों के साथ मिलकर एक बड़ा मार्च निकालेगा.

कमीशन की रिपोर्ट में क्या है ?

कमीशन की रिपोर्ट के मुताबिक, बांग्लादेश में हुई भीड़ हिंसा में मारे गए ज़्यादातर लोगों पर चोरी या डकैती का संदेह था. कुछ लोगों की हत्या गांवों में होने वाली अनौपचारिक पंचायतों के दौरान या धार्मिक भावनाएं आहत करने के इलज़ाम में की गई थी. संगठन ने कहा कि ये हालत मुल्क में कानून व्यवस्था और न्याय प्रणाली पर लोगों के घटते भरोसे की जानिब इशारा करती है. इस वहज से लोग खुद कानून हाथ में ले रहे हैं. हिंसा के दौरान बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के अंदर आपसी संघर्ष और गुटबाजी की 57 घटनाएं दर्ज हुई, जबकि नेशनल सिटिज़न पार्टी (एनसीपी) में दो घटनाएं सामने आई हैं. बीएनपी की गुटबाजी में भी चार लोगों की मौत हुई, और 400 लोग ज़ख्मी हुए जबकि एनसीपी के आंतरिक संघर्ष में 16 लोग ज़ख्मी हुए. रिपोर्ट में आगे बताया गया है कि बीएनपी के अंदर आपसी विवाद जबरन वसूली, क्षेत्रीय वर्चस्व, खुदाई की मिट्टी की बिक्री, स्थानीय चुनाव टिकट, पार्टी सम्मेलन।

पाकिस्तान में कोयला खदान में धमाके में 32 मजदूरों की मौत; कई के फंसे होने की संभावना

आवाज़ ए तसनीम

नई दिल्ली।पाकिस्तान में एक कोयला खदान के अंदर जुमेरात को हुए धमाके में कम से कम 32 मजदूरों की मौत हो गई और 10 दीगर मजदूर इसमें फंस गए हैं. मरने वालों की तादाद और बढ़ सकती है. खदान में फंसे मजदूरों को बचाने के लिए राहत और बचाव का काम जारी है. हादसे के बाद अफसर लाशों की पहचान कर उनके परिवारों को दफनाने के लिए सौंप रहे हैं, जबकि जो लोग अभी भी फंसे हुए हैं उनके रिश्तेदार बेसब्री से उनके जिन्दा होने का इंतज़ार कर रहे हैं. सरकारी खदान इंस्पेक्टर गनी बलूच ने कहा, ÷धमाका मीथेन गैस के जमा होने से हुआ है. यह धमाका बलूचिस्तान प्रांत की राजधानी क्वेटा के बाहरी इलाके में हुआ है. आपदा प्रबंधन एजेंसी के मुताबिक, धमाके के कुछ घंटों बाद घटना स्थल से 7 लोगों की लाशें बरामद की गई थी, और बाद में 25 और लाशें निकाली गई.गनी बलूच ने कहा कि सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है. रेस्क्यू टीमें बाकी फंसे हुए माइनर्स को ढूंढने और निकालने के लिए काम कर रही हैं. जब तक सभी फंसे हुए माइनर्स नहीं मिल जाते, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी रहेगा. बलूच ने कहा, मीथेन गैस धमाकों के बाद किसी के ज़िंदा मिलने के इमाकन बेहद कम हो जाते हैं, क्योंकि ऑक्सीजन का लेवल ज़ीरो हो जाता है.

मरने वालों को सरकार देगी 5 लाख का मुआवजा

बलूचिस्तान के माइंस और मिनरल्स मिनिस्टर शोएब नोशेरवानी ने कहा, ÷रेस्क्यू टीमें बहुत मुश्किल हालात में काम कर रही हैं.÷ उन्होंने पीड़ितों के रिश्तेदारों के प्रति संवेदना जताई और कहा कि राज्य सरकार धमाके में मारे गए हर माइनर के परिवार को 500,000 पाकिस्तानी रुपये (लगभग .1,800) का मुआवजा देगी. उन्होंने कहा कि अफसर धमाके की वजहों की जांच करेंगे और माइनिंग के सुरक्षा उपायों का रिव्यू करेंगे.

लापरवाही की वजह से धमाका- लेबर यूनियन

कोयला मजदूरों की एक लेबर यूनियन ने कहा कि उन्हें शक है कि लापरवाही की वजह से धमाका हुआ है. उन्होंने इसके लिए ज़िम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है. पाकिस्तान सेंट्रल माइंस लेबर फेडरेशन ने सरकार से सुरक्षा नियमों को सख्ती से लागू करने और माइन सुरक्षा कानूनों कमि खिलाफवर्जी करने वाली कंपनियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की अपील की है.
गौरतलब है कि पाकिस्तान की कोयला माइनिंग इंडस्ट्री, खासकर बलूचिस्तान में, इस तरह के जानलेवा हादसे आम बात हो गई हैं. खदानों में सही वेंटिलेशन, गैस मॉनिटरिंग सिस्टम और दूसरे बेसिक सुरक्षा उपायों की कमी की वजह से ऐसे हादसे होते रहते हैं. खदान के मज़दूरों और मज़दूरों के ग्रुप ने तवील अरसे से खदान मालिकों पर सुरक्षा नियमों को नाफ़िज़ करने या माकूल सुरक्षा उपकरण देने में नाकाम रहने का इलज़ाम लगाया है. ख़ास बात ये हैं कि खतरों और कम सैलरी के बावजूद, यहाँ हज़ारों खदान मजदूर बलूचिस्तान में अपनी रोज़ी-रोटी के लिए कोयला इंडस्ट्री पर आश्रित हैं. ये प्रांत पाकिस्तान का सबसे बड़ा लेकिन सबसे गरीब राज्य है।

स्वामी और प्रकाशक रमाकांत गोस्वामी एवं मुद्रक ताराचंद कुमावत द्वारा महारानी प्रिन्टर्स, 17 मां वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड़ जयपुर छपवाकर/मुद्रित कर, 10 MA, आईजी नगर, जगतपुरा,जयपुर, राजस्थान - 302017 से प्रकाशित किया। संपादकः रमाकान्त गोस्वामी, उप संपादक - मोनिका शर्मा, पीआरजीआई नं. RJBIL/25/A1815 ब्रांच ऑफिसः 18k3, पंकज सिंघवी मार्ग, ज्योति नगर, जयपुर-302002, मो. नं. 7610866001, हैल्प लाईन नं.: 8946840063, ईमेल आईडीः tasneemtv.official @gmail.com, वेबसाइटः www.tasneemtv.com (इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी. आर. पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तदायी), किसी भी वाद-विवाद से निपटने के लिए न्यायालय जयपुर मान्य होगा।

स्थापना दिवस समारोह

महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय का 39वां स्थापना दिवस समारोह

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने सभ्यता, नैतिकता एवं मानवता का पाठ पढ़ाने का किया आह्वान

जयपुर(नि.सं.)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि महर्षि दयानन्द सरस्वती ने अशिक्षा को हटाकर वैदिक ज्ञान फैलाने की गुरूदक्षिणा दी थी। उनके द्वारा स्थापित आर्य समाज ने स्वतंत्रता की लड़ाई में महत्वपूर्ण योगदान देने के साथ-साथ भारत विभाजन के समय शरणार्थियों को भी सहयोग प्रदान किया था। उन्होंने समाज सुधार एवं समाज के संगठन के लिए विशेष कार्य किया। इनके बताए आदर्शों को जीवन में अपनाना चाहिए। महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर के 39वें स्थापना दिवस के अवसर पर शनिवार को राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने अपने उद्बोधन में कहा कि विद्यार्थियों को सभ्यता, नैतिकता एवं मानवता का पाठ पढ़ाना चाहिए। इससे विद्यार्थियों में ईमानदारी के गुण आएंगे। नई शिक्षा नीति में नैतिक शिक्षा को विशेष स्थान दिया गया है। लॉर्ड मैकाले ने भारत को गुलाम बनाए रखने के लिए अंग्रेजी शिक्षा पद्धति लागू की। इससे व्यक्ति अपनी जड़ों से दूर होने लगा। उस समय 8 लाख से

अधिक गुरूकुल संचालित होते थे। उन्हें बंद किया गया। साथ ही विभिन्न प्रकार के घरेलू उद्योग होते थे, इन्हें भी नष्ट किया गया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता बढ़ाने से प्रतिभाशाली युवा तैयार होंगे। ये युवा विश्व में भारतीय प्रतिभा का लोहा मनवाएंगे। हाल ही में आयोजित नीट परीक्षा में संख्या के अनुसार राजस्थान दूसरे स्थान पर तथा परिणाम की दृष्टि से प्रथम स्थान पर रहा। उत्तरप्रदेश में 3.28 लाख विद्यार्थियों ने परीक्षा दी। इनमें से 1.70 लाख विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए, यह 51.93 प्रतिशत है। राजस्थान में 1.92 लाख विद्यार्थियों में से 1.33 लाख विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए, यह 69.34 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि नकल रोकने के लिए सरकार ने नया कानून बनाया है। इसमें 10 करोड़ रुपये के जुर्माने के साथ-साथ कठोर सजा का प्रावधान किया गया है। इससे असामाजिक तत्व यह अपराध करने से डरेंगे। नकल मुक्त परीक्षा के लिए यह शुरूआत है। भविष्य में समस्त परीक्षाएं नकल मुक्त होगी। नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत रविवार को शपथ दिलाई जाएगी।

विधानसभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी ने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा संभाग स्तर पर विश्वविद्यालय आरम्भ करने के लिए आंदोलन चलाया गया था इसके कारण महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय की स्थापना वर्ष 1987 में हुई। इसके प्रथम कुलगुरू श्री पुरूषोत्तम चतुर्वेदी थे। डीएवी कॉलेज परिसर में इसकी शुरूआत हुई थी। वर्तमान में 464 महाविद्यालय इससे संबद्ध है। इसे बी++ नेट ग्रेड मिला है। अब नया योग विश्वविद्यालय भी अजमेर में बनने जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत के विश्वविद्यालय ज्ञान के मंदिर है।

कॉमनवेल्थ पीस मेडिएशन कॉन्फ्रेंस-2026

मध्यस्थता को न्याय व्यवस्था के केंद्र में स्थापित करने की आवश्यकता:सूर्यकांत

जयपुर(नि.सं.)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (RSLSA), कॉमनवेल्थ लॉयर्स एसोसिएशन (CLA), सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (SCBA) तथा निवारण-मेडिएटर्स ऑफ सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में होटल द ललित, जयपुर में आयोजित तीन दिवसीय कॉमनवेल्थ पीस मेडिएशन कॉन्फ्रेंस-2026 : पीस मेडिएशन एंड द रूल ऑफ लॉ के दूसरे दिन मध्यस्थता को न्याय प्रणाली का अभिन्न अंग बनाने, विवादों के त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण समाधान तथा न्याय तक सरल

और प्रभावी पहुंच सुनिश्चित करने पर व्यापक विचार-विमर्श हुआ। सम्मेलन में भारत तथा कॉमनवेल्थ देशों के न्यायाधीशों, विधि विशेषज्ञों एवं मध्यस्थता विशेषज्ञों ने अपने अनुभव साझा करते हुए मध्यस्थता को भविष्य की न्याय व्यवस्था की महत्वपूर्ण आवश्यकता बताया।

महाधिवक्ता ने बताया मध्यस्थता को परिवर्तनकारी यात्रा की शुरुआत

दूसरे दिन के सत्र का शुभारंभ गणमान्य अतिथियों के स्वागत एवं राष्ट्रगान के साथ हुआ। राजस्थान के महाधिवक्ता श्री राजेन्द्र प्रसाद ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि कानून और न्याय स्थिर अवधारणाएं नहीं हैं, बल्कि समय के साथ विकसित होने वाली व्यवस्थाएं हैं। उन्होंने सामान्य मध्यस्थता और शांति मध्यस्थता के बीच अंतर स्पष्ट करते हुए कहा कि जहां सामान्य मध्यस्थता विशिष्ट विवादों का समाधान करती है।

न्यूज इन बॉक्स

जयपुर में कला सेतु समुदाय की शुरुआत

जयपुर(नि.सं.)। कला, संस्कृति, प्रकृति और जिम्मेदार जीवनशैली को एक साझा मंच पर लाने के उद्देश्य से कलानेरी की संस्थापक एवं निदेशक सौम्या शर्मा ने कला सेतु समुदाय की शुरुआत की। सेव आवर सिटी एनजीओ के सहयोग से आयोजित पहले संवाद सत्र का विषय सस्टेनेबल कॉन्शियस लिविंग रखा गया, जिसमें पर्यावरण संरक्षण, कला और सामाजिक जिम्मेदारी पर व्यापक चर्चा हुई। कला सेतु का अर्थ है कला का सेतु। यह एक ऐसा बहुआयामी समुदाय है, जो कला, संस्कृति, ज्ञान, संवाद और सामाजिक सहभागिता के माध्यम से लोगों को जोड़ने का प्रयास करेगा। इस मंच से कलाकारों के साथ-साथ शिक्षक, विद्यार्थी, उद्यमी, गृहिणियां, शिल्पकार और विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े नागरिक भी जुड़ सकेंगे। इस अवसर पर सौम्या शर्मा ने कहा कि कला सेतु की स्थापना इस विश्वास के साथ की गई है कि बेहतर जीवन की शुरुआत हमारे अपने संबंधों से होती है, चाहे वह स्वयं से हो, समाज से या प्रकृति से।

भारतीय साड़ियों की खूबसूरती को मिलेगा मंच

जयपुर(नि.सं.)। भारतीय साड़ियों की समृद्ध परंपरा, विविधता और सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संस्था इंडियन ट्रेलब्लेजर की ओर से 22 अगस्त को साड़ी वियर कॉम्पीटिशन का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता का पोस्टर शनिवार को निर्माण नगर स्थित मातृछाया में आयोजित प्रथम ग्रूमिंग सेशन के दौरान प्रतिभागियों द्वारा विमोचित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान श्रीराम की वंदना और रामधुन भजनों के साथ हुई। इस दौरान प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भजनों में भाग लिया और प्रतियोगिता के पोस्टर का अनावरण किया। आयोजन का समन्वय संस्था की आइकन शांति भटनागर ने किया। संस्था के निदेशक एवं कार्यक्रम संयोजक डॉ. नीरज माथुर ने बताया कि प्रतियोगिता की थीम योर साड़ी, योर आइडेंटिटी, योर स्टाइल, योर एक्सपीरियंस रखी गई है। इसका उद्देश्य भारतीय साड़ियों की सांस्कृतिक समृद्धि, पारंपरिक शिल्पकला और महिलाओं की व्यक्तिगत शैली को एक मंच प्रदान करना है।

मुख्य सचिव ने सुरक्षित मातृत्व सेवाओं की समीक्षा की

गर्भवती महिलाओं के लिए रेफरल परिवहन तंत्र को और सुदृढ़ किया जाए: मुख्य सचिव

जयपुर(नि.सं.)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने गर्भवती महिलाओं को समय पर गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराने के लिए रेफरल परिवहन तंत्र को और अधिक सुदृढ़ करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सुरक्षित प्रसव एवं जननी एक्सप्रेस सेवाओं के प्रभावी संचालन के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देशों सहित परिपत्र जारी करने को कहा। साथ ही निर्देश दिए कि उच्च जोखिम (हाई रिस्क) वाली गर्भवती महिलाओं को सुरक्षित प्रसव सुनिश्चित करने के लिए संभावित प्रसव तिथि से एक-दो दिन पूर्व

ही उच्च स्तरीय स्वास्थ्य संस्थान में रेफर किया जाए। मुख्य सचिव स्वास्थ्य भवन से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मेडिकल कॉलेजों के प्राचार्यों, अस्पताल अधीक्षकों, संयुक्त निदेशकों, पीएमओ, आरसीएचओ एवं सीएमएचओ के साथ सुरक्षित मातृत्व सेवाओं की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने गर्भवती महिलाओं में गंभीर एनीमिया (सीवियर एनीमिया) के मामलों में कमी आने तथा उन्हें माइल्ड एनीमिया श्रेणी में लाने के प्रयासों पर संतोष व्यक्त किया। बैठक में मुख्य सचिव ने मातृ मृत्यु के विभिन्न कारणों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने भीलवाड़ा में हाल ही में हुई मातृ मृत्यु के मामले की विस्तृत जानकारी प्राप्त की तथा शाहपुरा सीएचसी के स्त्री रोग विशेषज्ञ और एएनएम से सीधे संवाद कर घटनाक्रम की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित चिकित्सकों से चर्चा कर उपचार व्यवस्था एवं प्रोटोकॉल की समीक्षा भी की। वी. श्रीनिवास ने 'प्रसव सखी' पहल के क्रियान्वयन की भी समीक्षा की तथा इसके माध्यम से गर्भवती महिलाओं को दी जा रही सहायता एवं सेवाओं के संबंध में फीडबैक प्राप्त किया।

राजिसाकॉन-2026 के 27वें राजस्थान राज्य वार्षिक सम्मेलन का पुष्कर में हुआ शुभारंभ

स्वस्थ भारत के निर्माण में चिकित्सकों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण: वासुदेव देवनानी

जयपुर। भारतीय सोसाइटी ऑफ एनेस्थीसियोलॉजिस्ट्स (आईएसए) राजस्थान स्टेट ब्रांच द्वारा आयोजित 27वें राजस्थान राज्य वार्षिक सम्मेलन ''राजिसाकॉन-2026 का शुभारंभ पुष्कर स्थित जॉलिवुड रिसोर्ट में विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने किया। सम्मेलन का आयोजन इंडियन सोसाइटी ऑफ एनेस्थीसियोलॉजिस्ट्स, राजस्थान स्टेट ब्रांच एवं एनेस्थीसियोलॉजी विभाग, जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज अजमेर के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में विधानसभा अध्यक्ष श्री देवनानी ने कहा कि राजस्थान की पावन धरा और विश्व प्रसिद्ध तीर्थराज पुष्कर में आयोजित यह सम्मेलन चिकित्सा जगत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। चिकित्सा विज्ञान निरंतर विकसित हो रहा है और एनेस्थीसियोलॉजी आज आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं का एक अनिवार्य एवं महत्वपूर्ण अंग बन चुकी है। देवनानी ने कहा कि किसी भी जटिल शल्य चिकित्सा की सफलता केवल सर्जन पर निर्भर नहीं होती, बल्कि एनेस्थीसियोलॉजिस्ट की विशेषज्ञता और सतर्कता भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है।

साइबर ठगों ने मोबाइल हैक कर 1.47 लाख रुपए ठगे

APK फाइल डाउनलोड करने के बाद बंद हुआ फोन, 2 दिन में कई ट्रांसजैक्शन किए

सीकर(वि.सं.)। सीकर में साइबर ठग ने एक युवक का मोबाइल हैक करके 1.47 लाख रुपए निकाल लिए। पीड़ित कोटड़ी लुहारवास निवासी हंसराज यादव ने इस संबंध में शनिवार को रिपोर्ट दर्ज करवाई।

ठगों ने मोबाइल हैक कर निकाली रकम

पीड़ित हंसराज ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि 20 जुलाई को व्हाट्सएप के किसी ग्रुप पर एक APK फाइल आई थी, जिसे उसने डाउनलोड कर लिया। इसके बाद उसका मोबाइल हैक हो गया। काफी ट्राई करने के बाद भी मोबाइल ठीक नहीं हुआ। इस बीच साइबर ठगों ने 20 और 23 जुलाई को हंसराज के बैंक अकाउंट से कई ट्रांजेक्शन किए और 1 लाख 47 हजार 489 रुपए निकाल लिए।

जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह

जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह के आयोजन के लिए सभी तैयारियां हों समय पर सुनिश्चित - जिला कलक्टर

जयपुर(नि.सं.)। स्वतंत्रता दिवस के राष्ट्रीय पर्व को पूर्ण उल्लास,उमंग एवं गरिमा के साथ मनाने के उद्देश्य से जिला कलक्टर संदेश नायक ने कलेक्ट्रेट सभागार में सभी संबंधित विभागीय अधिकारियों की बैठक ली। जिला कलक्टर ने कहा कि जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियां समयबद्ध रूप से एवं उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण की जाए, इस में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतें।

उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे आयोजन से जुड़ी सभी व्यवस्थाएं तय समय सीमा में पूर्ण कर ले। जिला कलक्टर ने चौगान स्टेडियम में होने वाले जिला स्तरीय मुख्य समारोह में मंच व्यवस्था, ध्वनि प्रसारण प्रणाली, यातायात एवं पार्किंग, सुरक्षा व्यवस्था, मार्च पास्ट , आमंत्रण पत्र वितरण, सांस्कृतिक कार्यक्रम, बच्चों के बैठने की व्यवस्था, पेयजल एवं चिकित्सीय सुविधाओं सहित सभी व्यवस्थाओं को आपसी समन्वय के साथ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

जिला कलक्टर ने अधिकारियों को राष्ट्रीय पर्व के इस अवसर पर रोशनी, रंगोली, सजावट एवं साफ सफाई सुनिश्चित करने के साथ-साथ समारोह में आयोजित होने वाले सभी कार्यक्रमों का पूर्वाभ्यास करने के निर्देश दिये। उन्होंने इस राष्ट्रीय पर्व के अवसर पर आयोजित समारोह में जन प्रतिनिधियों, पूर्व सैनिकों, वीरांगनाओं, उत्कृष्ट खिलाड़ियों, लोक कलाकारों, पत्रकारिता, सामाजिक-धार्मिक क्षेत्र के प्रतिनिधियों सहित समाज के सभी वर्गों की विभूतियों को ससम्मान आमंत्रित करने के निर्देश दिये।

झुंझुनूं में महिलाओं के फोन में डाउनलोड कराया राजकॉप-सिटीजन ऐप

कालिका यूनिट सदस्यों ने कहा- एक बटन दबाते ही पहुंचेगी पुलिस, मिलेगी सुरक्षा

झुंझुनूं। झुंझुनूं पुलिस की कालिका यूनिट ने शहर के जमुना रेस्टोरेंट में कार्यक्रम में महिलाओं को राजकॉप सिटीजन ऐप का उपयोग सिखाया। पुलिस ने बताया कि किसी भी आपात स्थिति में ऐप का SOS बटन दबाते ही महिला की लाइव लोकेशन कंट्रोल रूम तक पहुंच जाती है, इसके बाद नजदीकी पुलिस टीम तुरंत सहायता के लिए रवाना होती है। साथ ही महिलाओं को हेल्पलाइन नंबरों और सुरक्षा संबंधी जरूरी जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम में कालिका यूनिट की सदस्य सुमन, सुभीता, मंजू, सीमा, सुनीता और सरोज ने महिला कर्मचारियों और वहां मौजूद अन्य महिलाओं से संवाद किया।

अशोक गहलोत का भाजपा पर हमला

गहलोत बोले-मैंने कभी डोटासरा पर आरोप नहीं लगाया: कांग्रेस नेताओं को आपस में लड़ाना चाहती है भाजपा

उनका मकसद पीसीसी अध्यक्ष को बदनाम करना है

जोधपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा- भाजपा मेरे बयानों को तोड़-मरोड़कर कांग्रेस में फूट दिखाने की कोशिश कर रही है। मैंने कभी भी डोटासरा पर भ्रष्टाचार का कोई आरोप नहीं लगाया।

भाजपा झूठा नैरेटिव बनाकर कांग्रेस नेताओं को आपस में लड़ाना और गुमराह करना चाहती है। गहलोत ने कहा- मैंने बिड़ला ऑडिटोरियम में शिक्षकों के सम्मेलन के दौरान केवल

स्वाभाविक रूप से पूछ लिया था कि क्या आपके यहां ट्रांसफर में करप्शन होता है? आप सभी जानते हैं कि प्रदेश में चाहे कांग्रेस की सरकार हो या भाजपा की, कोई भी शिक्षा मंत्री बने, ट्रांसफर और पोस्टिंग में भ्रष्टाचार की बातें सामने आती ही है। मेरे पूछने पर वहां मौजूद लोगों ने हां में जवाब दिया था। गहलोत ने आगे कहा- उस समय डोटासरा ने मंच पर खड़े होकर तुरंत कहा था कि अगर मैंने या मेरे स्टाफ ने किसी से एक रुपया भी लिया हो तो बताएं। तब वहां मौजूद किसी भी शिक्षक ने सहमति व्यक्त नहीं की थी। इसके बावजूद भाजपा के लोग उन पर लगातार भ्रष्टाचार के झूठे आरोप लगाते आ रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा- आज तक मुझे किसी ने नहीं कहा कि डोटासरा ने ट्रांसफर-पोस्टिंग के बदले पैसे लिए हैं।

लोकार्पण व शिलान्यास

केंद्रीय विधि मंत्री ने बीकानेर में 163 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का किया लोकार्पण व शिलान्यास

सड़क, स्वास्थ्य, बिजली एवं पेयजल परियोजनाओं से श्रीडूंगरगढ़ के विकास को मिलेगी नई गति:केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री

जयपुर(नि.सं.)। बीकानेर के श्रीडूंगरगढ़ को विकास की नई सौगात देते हुए केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री अर्जुन राम मेघवाल ने करीब 163 करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इन परियोजनाओं से श्रीडूंगरगढ़ विधानसभा क्षेत्र में सड़क, विद्युत, स्वास्थ्य तथा पेयजल से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए जाएंगे। कार्यक्रम के दौरान श्रीडूंगरगढ़-बिदासर राज्य राजमार्ग (एसएच-93) पर रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया। इसके अलावा विभिन्न स्थानों पर

नए ग्रिड सब स्टेशन (जीएसएस), पावर ट्रांसफॉर्मरों की क्षमता वृद्धि सहित विद्युत संबंधी परियोजनाओं तथा अन्य जनहित के विकास कार्यों का लोकार्पण किया गया। स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की दिशा में सोनियासर शिवदान, डेलवा, धोलिया एवं लाधड़िया में नव स्थापित स्वास्थ्य केंद्रों का लोकार्पण किया गया। वहीं डेलवा में नए ट्यूबवेल का लोकार्पण भी हुआ, जिससे क्षेत्र के ग्रामीणों को पेयजल उपलब्धता में राहत मिलेगी। ग्रामीण संपर्क व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से उपनी, बेनीसर, डेलवा, गुसाईसर बड़ा एवं पुनरासर सहित विभिन्न सड़कों के निर्माण एवं नवीनीकरण कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया गया। साथ ही पुनरासर-राजपुरा-सेरूणा-सांवतसर- राजेडू दोहरी लेन सड़क निर्माण कार्य का भी शिलान्यास किया गया, जिसे क्षेत्र की महत्वपूर्ण आधारभूत परियोजनाओं में शामिल माना जा रहा है।

स्वामी और प्रकाशक रमाकांत गोस्वामी एवं मुद्रक ताराचंद कुमावत द्वारा महारानी प्रिन्टर्स, 17 मां वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड़ जयपुर छपवाकर/मुद्रित कर, 10 MA, आईजी नगर, जगतपुरा,जयपुर, राजस्थान - 302017 से प्रकाशित किया। संपादक: रमाकान्त गोस्वामी, उप संपादक - मोनिका शर्मा, पीआरजीआई नं. RJBIL/25/A1815 ब्रांच ऑफिस: 18k3, पंकज सिंघवी मार्ग, ज्योति नगर, जयपुर-302002, मो. नं. 7610866001, हैल्प लाईन नं.: 8946840063, ईमेल आईडी: tasneemtv.official @gmail.com, वेबसाइट: www.tasneemtv.com (इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी. आर. पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तदायी), किसी भी वाद-विवाद से निपटने के लिए न्यायालय जयपुर मान्य होगा।